घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 164- गुरूवार 16 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सम्राट चौधरी बिहार के 24 वें मुख्यमंत्री बने

शपथ के बाद नीतीश के पैर छुए,जेडीयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव डिप्टी सीएम

पटना,15 अप्रैल 2026। सम्राट चौधरी बिहार 24 वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, 'कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतीश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया। मेहनत रंग लाती है जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा।' सम्राट चौधरी ने सुबह पंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजा की थी। शपथ से पहले ही उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सरकार में बदलाव सोमवार को नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद हुआ। वे अब राज्यसभा सदस्य हैं। वे 20 साल बिहार के सीएम रहे।

पीएम ने विजय चौधरी बिजेंद्र यादव को डिप्टी सीएम बनने पर दी बधाई...

पीएम मोदी ने विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव को डिप्टी सीएम बनने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, बिहार के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले विजय कुमार चौधरी जी और बिजेंद्र प्रसाद यादव जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं! मुझे पूरा भरोसा है कि इनका जमीनी अनुभव और जनहित को लेकर प्रतिबद्धता बिहार के विकास को नई दिशा और गति देगी।

पीएम मोदी ने सम्राट चौधरी को दी बधाई...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सम्राट चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई और ढेरों शुभकामनाएं! उनकी ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव राज्य के लिए बेहद उपयोगी साबित होने वाला है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके कुशल नेतृत्व में जनता-जनार्दन की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए बिहार चौतरफा विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

बिहार की जनता के विश्वास को सर्वोपरि रखते हुए विकास समृद्धि के लिए पूरी निष्ठा से करेंगे कार्य : सम्राट चौधरी

बिहार के 24 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक की और इसके बाद पहली बार मीडिया से रू-ब-रू हुए। उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य में विकास कार्य पूर्व की तरह ही जारी रहेंगे। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि नई सरकार उसी रास्ते पर चलेगी, जिस पर पहले की सरकार काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि बिहार में अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार के मॉडल के तहत विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा, 'बिहार की समृद्धि के लिए आज मुख्यमंत्री पद ग्रहण किया है और आज से ही काम शुरू कर दिया है। पूरी तरह निश्चिंत रहिए, बिहार में मोदी-नीतीश मॉडल ही लागू रहेगा।' मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने लिखा कि वे बिहार की जनता के विश्वास को सर्वोपरि रखते हुए विकास और समृद्धि के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने अपने संदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित राष्ट्रीय जमतांत्रिक गठबंधन (राजग) नेतृत्व का आभार जताया और कहा कि उनके मार्गदर्शन में वे सशक्त बिहार के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।

महिला आरक्षण पर विपक्ष की रणनीति बैठक

संसद में नारी वंदन अधिनियम का विरोध करेगी कांग्रेस...

नई दिल्ली,15 अप्रैल 2026। संसद के विशेष तीन दिवसीय बैठक से पहले महिला आरक्षण कानून और संसदीय सीटों के विस्तार को लेकर विपक्षी इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक की। इस बैठक में महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन और सीटों की संख्या बढ़ाने के मुद्दे पर रणनीति तय की गई। बैठक के बाद विपक्षी गठबंधन ने संयुक्त पत्रकार वार्ता करके इन विधेयकों का विरोध करने का ऐलान किया। बैठक में राहुल गांधी,केसी वेणुगोपाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जयराम रमेश, सैयद नसीर हुसैन, राष्ट्रीय जनता दल से तेजस्वी यादव,आम आदमी पार्टी से संजय सिंह,शिव सेना (यूबीटी) से अरविंद सावंत, राष्ट्रवादी कांग्रेस (एसपी) से सुप्रिया सुले, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) से टीआर बालू, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से सागरिका घोष, समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल और समेत कई नेता मौजूद रहे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक के बाद कहा कि विपक्षी दल महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं,लेकिन जिस तरीके से सरकार ने इसे पेश किया है, वह राजनीतिक रूप से प्रेरित है और विपक्षी दलों को दबाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि 2010 और 2023 में महिला आरक्षण से जुड़ा संवैधानिक संशोधन सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था और अब इसे लागू किया जाना चाहिए। सरकार परिसीमन और जनगणना को बहाना बनाकर आरक्षण लागू करने में देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल एकजुट होकर संसद में इस बिल का विरोध करेंगे, क्योंकि यह महिलाओं के अधिकारों को टालने की कोशिश है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बैठक में तीन विधेयकों पर चर्चा हुई है। एक संविधान संशोधन और दो वैधानिक बिल। उन्होंने कहा कि 2023 में अनुच्छेद 334 ए के तहत महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था, लेकिन सरकार ने इसे लागू करने के लिए जनगणना और परिसीमन की शर्तें जोड़ दीं।

मायावती ने किया महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन,कांग्रेस को घेरा

लखनऊ,15 अप्रैल 2026। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव पर अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ये काफी लंबा इंतजार हुआ, लेकिन हम इसका स्वागत करते है। बसपा प्रमुख मायावती बुधवार को एक यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यदि एससी–एसटी एवं ओबीसी समाज के हित व कल्याण के मामले में पार्टी की सुझाव की तरफ सरकार ध्यान देती तो यह बेहतर होगा। उन्होंने कांग्रेस-सपा पर हमला भी बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा के बेस वोट,दलितों को लुभावने के लिए पिछले कुछ समय से विरोधी दल कार्यक्रमों में नीले रंग के कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे दलितों पर कुछ भी असर पड़ने वाला नहीं है,क्योंकि इन पर केवल बसपा के नीले रंग का ही असर पड़ता है। अन्य किसी और रंग का नहीं, यह विरोधियों को ध्यान में रखकर चलना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि वास्तव में महिला आरक्षण की असली हकदार शोषित व उपेक्षित वर्गों में खासकर सामाजिक,राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से लगातार पछाड़े जा रहे एससी–एसटी ओबीसी समाज की महिलाओं को,यदि इसमें अलग से व्यवस्था की जाती तो यह उचित होता। ऐसा नहीं होने से इन वर्गों की महिलाओं को आरक्षण का पूरा लाभ मिल क्या मिल पाएगा। इसमें लोगों काफी संदेह है और महिला आरक्षण के वास्तविक उद्देश्य को काफी हद तक नकारने जैसा है।

राघव चड्ढा को केंद्र ने दी जेड श्रेणी सुरक्षा दिल्ली-पंजाब में मिलेंगे अर्धसैनिक बल

नई दिल्ली,15 अप्रैल 2026। गृह मंत्रालय ने आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सूत्रों के अनुसार खुफिया ब्यूरो (आईबी) की खतरे की आशंका को लेकर दी गई रिपोर्ट के आधार पर राघव चड्ढा को यह सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पंजाब सरकार द्वारा राघव चड्ढा को दी गई जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली गई है। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला आप नेता के संसद में पंजाब से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने में कथित विफलता के चलते उठाया गया है। आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा पर संसद में पंजाब से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया था। आप ने कहा था कि उनकी निष्क्रियता पार्टी के सिद्धांतों के विरुद्ध है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, राज्य आप अध्यक्ष अमन अरोड़ा और पार्टी नेता कुलदीप सिंह ढींगरा ने एक संयुक्त बयान में कहा कि चड्ढा की कई महत्वपूर्ण मामलों पर चुप्पी निराशाजनक थी। पंजाब के वित्त मंत्री ने संसद में नहीं उठाए गए कई वित्तीय मामलों पर प्रकाश डाला।

आंध्र प्रदेश के पुट्टापर्थी जिले में गैस सिलेंडर फटने से चार मजदूरों की मौत,18 घायल

हैदराबाद,15 अप्रैल 2026। आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले (पुट्टापर्थी) के कम्मरावरिपल्ली गांव में एक रिहायशी मकान में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फटने से चार मजदूरों की मौत हो गई जबकि 18 लोग घायल हुए हैं। इस हादसे में दो मकान ढह गए और कई अन्य मकानों को नुकसान भी हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिले के कदीरी मंडल के गांव कम्मरावरिपल्ली गांव में एक मकान में तेलंगाना के मजदूर खाना बना रहे थे। तभी 12:30 बजे के करीब अचानक गैस के सिलेंडर में विस्फोट हो गया। विस्फोट इनता जबरदस्त था कि दो मकान ढह गए और आसपास के कई मकानों में दरारें आ गई है। इस हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक एस. सतीश ने बताया कि इस हादसे में मारे गए लोगों की पहचान की जा रही है।

भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपराएं हमारी ताकत : पीएम मोदी

कर्नाटक,15 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत हजारों वर्षों से चलती आ रही एक जीवंत सभ्यता है,जहां परंपराओं की निरंतरता दुनिया में अद्वितीय है। बहुत कम देशों में इतनी लंबी अवधि तक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं निरंतर बनी रहती हैं। प्रधानमंत्री कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने मिलकर 'सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में समय-समय पर ऐसे महान संत और व्यक्तित्व जन्म लेते रहे हैं,जिन्होंने केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं दिया, बल्कि समाज के बीच रहकर लोगों के दुख-दर्द को समझा और उन्हें कठिनाइयों से बाहर निकलने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि यही भारत की परंपरा और ताकत है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशवासियों के सामने नौ प्रमुख आग्रह भी रखे। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण को अपनाने और पानी के बेहतर प्रबंधन का संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जन आंदोलन बनाना होगा। धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों, गांवों और शहरों में स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। प्रधानमंत्री ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देशवासियों को भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करनी चाहिए, ताकि देश की विविधता को समझा जा सके। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का भी आग्रह किया। स्वास्थ्य के विषय में उन्होंने कहा कि मोटापा देश के सामने एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इससे निपटने के लिए लोगों को अपने भोजन में तेल की मात्रा कम करने और मिलेट्स (श्री अन्न) को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने योग और खेल को जीवन का हिस्सा बनाने पर भी बल दिया। प्रधानमंत्री ने अपने नौवें आग्रह में कहा कि जरूरतमंदों की सेवा समाज को मजबूत बनाती है और इससे जीवन को एक उद्देश्य मिलता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि इन आग्रहों पर ईमानदारी से अमल किया जाए, तो विकसित कर्नाटक और विकसित भारत का लक्ष्य तेजी से हासिल किया जा सकता है। आदिचुंचनगिरि मठ की परंपरा की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मठ करीब 2,000 वर्षों की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। इसकी गुरु परंपरा,आध्यात्मिक दर्शन और सेवा भाव ने पीढ़ियों तक समाज को दिशा दी है। उन्होंने दिवंगत संत डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी के योगदान को विशेष रूप से याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि महास्वामीजी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में परिवर्तनकारी कार्य किए। उनके प्रयासों से ग्रामीण और वंचित वर्गों के लाखों बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके योगदान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने ऐसी संस्थाओं की स्थापना की,जहां सेवा भावना के साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराई जाती है। उनका मानना था कि स्वास्थ्य सेवा हर नागरिक का अधिकार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर केवल एक धार्मिक संरचना नहीं है, बल्कि यह सेवा, साधना और प्रेरणा का केंद्र बनेगा। इस परिसर में आध्यात्मिकता और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिलता है। उन्होंने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों गरीबों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। इस योजना का विस्तार 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों तक भी किया गया है, जिससे उन्हें सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए अब उन्हें देश से बाहर करना लक्ष्य : अमित शाह

कोलकाता,15 अप्रैल 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची से घुसपैठियों के केवल नाम हटाए हैं,जबकि अगला कदम उन्हें देश की सीमाओं से बाहर करना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने यह बयान दिया। कूचबिहार जिले के तुफानगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर पूर्वी सीमाओं को इस तरह सील किया जाएगा कि 'परिंदा भी पर नहीं मार सके।' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को आवश्यक भूमि उपलब्ध नहीं करा रही हैं।

शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद 45 दिनों के भीतर सीमांकन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल घुसपैठ रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि जो लोग पहले से देश में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें बाहर निकालना भी आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार घुसपैठ के मुद्दे पर गंभीर नहीं है। हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद खड़ा किया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उत्तर बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के बजट में इस क्षेत्र को अपेक्षित महत्व नहीं दिया गया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर राजबंशी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने और 'नारायणी बटालियन' के गठन जैसे कदम उठाए जाएंगे।

एआई केवल तकनीकी नहीं,मानव क्रांति है : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली,15 अप्रैल 2026। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल एक तकनीकी क्रांति नहीं बल्कि एक 'मानव क्रांति' है, जिसे अच्छे शासन और समावेशी समाज निर्माण के लिए जिम्मेदारी और दूरदृष्टि के साथ अपनाया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के 72वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उहोंने 'सुशासन के लिए एआई' विषय पर 5वां डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्षिक स्मृति व्याख्यान भी दिया। उन्होंने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि सच्चा शासन सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया आज एआई के युग में प्रवेश कर चुकी है, जहां मशीनें सीख रही हैं और सिस्टम सोचने लगे हैं। एआई सरकारों को नागरिकों की जरूरतों को बेहतर समझने और सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से प्रदान करने की क्षमता दे रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका...

तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

नई दिल्ली,15 अप्रैल 2026। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है। दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बंगाल की जनता अब बदलाव चाहती है और इसके लिए बेताब है : निर्मला सीतारमण

कोलकाता,15 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्व बर्धमान से बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य की जनता अब बदलाव चाहती है और इसके लिए बेताब है।

बुधवार को चुनावी दौरे पर बर्धमान पहुंचीं निर्मला सीतारमण ने कहा कि मैं देख पा रही हूं कि लोग बदलाव के लिए बेहद उत्सुक हैं। 2016 में भी मैं यहां प्रचार के लिए आई थी, लेकिन इस बार माहौल अलग है। अब लोग खुलकर अपनी समस्याएं बता रहे हैं और बेहतर प्रशासन की मांग कर रहे हैं।

प्रौद्योगिकी करुणा और ईमानदारी की जगह कभी नहीं ले सकती : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नागपुर,15 अप्रैल 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को महाराष्ट्र के नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दूसरे दीक्षांत समारोह में शिरकत की। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, यह संवेदनशीलता के साथ मानवता की सेवा करने का माध्यम है। डॉक्टर केवल बीमारियों का उपचार ही नहीं करते,बल्कि मरीजों के मन में आशा भी जगाते हैं। नतीजतन आधुनिक प्रौद्योगिकी चाहे जितनी तरक्की कर ले वह कभी करूणा,ईमानदारी और संवेदनशीलता की जगह नहीं ले सकती। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों द्वारा दिया गया परामर्श न केवल मरीजों को,बल्कि उनके परिवारजनों को भी मानसिक बल प्रदान करता है। कई बार डॉक्टरों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है,फिर भी उन्हें हर स्थिति में मरीजों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील बने रहना चाहिए। साथ ही,मरीजों और उनके परिजनों को भी चिकित्सा पेशेवरों के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए। डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास का संबंध बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य जितना उनके व्यक्तिगत कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है,उतना ही राष्ट्र की प्रगति के लिए भी आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र निर्माण में अपनी पूर्ण क्षमता से योगदान दे सकते हैं। इस दिशा में केंद्र सरकार की ओर से पिछले एक दशक में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

संपादकीय

कई समस्याओं का समाधान है जनगणना

यह सही है कि जनगणना में देरी ने नीति निर्माण के लिए आधार के स्तर पर जो निर्वात की स्थिति बना रखी थी,वह एकाएक दूर होने से रही,लेकिन यह देश को वह आईना दिखाने में अवश्य सफल होगी,जो आगे की राह पर बढ़ने के लिए आवश्यक है...

कल्याणकारी राज्य की भूमिका में जनगणना की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण मानी गई है। सदियों पहले अपनी रचना अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने भी यह उल्लेख किया था कि यदि राज्य बेहतर शासन प्रदान करना चाहता है तो उसे अपनी जनता की भलीभांति जानकारी होनी चाहिए। कौटिल्य का मानना था कि जो राज्य अपने लोगों की गणना नहीं करता, वह अंधकार में शासन करता है। कोविड और कतिपय अन्य कारणों से भारत में भी निरंतर चली आ रही जनगणना की राह में जो अंधकार उत्पन्न हुआ था,वह अंततः छंट गया और इस महीने की शुरुआत से देश में जनगणना की विधिवत शुरुआत भी हो गई है। चूंकि भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है, इसलिए गणना की यह प्रक्रिया भी उसी अनुपात में बहुत विस्तारित रहने वाली है।

इसमें 30 लाख से अधिक गणना करने वाले,पर्यवेक्षक और अधिकारी महीनों तक 140 करोड़ भारतीयों से 33 प्रश्न पूछेंगे। देश के सात हजार से अधिक शहरों और छह लाख से अधिक गांवों में चलने वाली यह विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद होने जा रही है। इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि यह पूरी तरह डिजिटल रूप में की जाएगी। सभी भारतीय नागरिक 16 भाषाओं में उपलब्ध एक पोर्टल के माध्यम से स्वयं गणना कर सकते हैं। इसके शुभंकर का नाम प्रगति और विकास रखा गया है। इसके प्रतीकात्मक अर्थ से लेकर इससे जुड़ी आकांक्षाएं भी एकदम स्पष्ट हैं।

भारत में जनगणना से जुड़ी परंपरा की जड़ें स्वतंत्रता प्राप्ति के पहले से जुड़ी हुई हैं। इसका पहला आधुनिक प्रयास ब्रिटिश शासन के दौरान 1865 और 1872 के बीच किया गया। हालांकि तब ऐसी कवायद एक साथ नहीं की गई थी और सभी प्रांतों के बीच इसे लेकर समन्वय का भी अभाव था। वर्ष 1881 में जाकर ही पहली बार अविभाजित भारत में एक साथ जनगणना हो पाई थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार 1951 में जनगणना हुई और उसके बाद से इक्का-दुक्का अपवादों के साथ यह क्रम अनवरत रूप से जारी रहा।

समय के साथ जनगणना के प्रश्नों का स्वरूप भी बदलता गया। 1872 की अनुसूची में मात्र 17 प्रश्न थे, जिनमें 'कौन कहां रहता है' से अधिक कुछ दर्ज नहीं किया गया था। वहीं 1901 की जनगणना में अंग्रेजी में दक्षता के बारे में पूछा गया, जो औपनिवेशिक दौर की एक विशेष प्राथमिकता थी। हालांकि 2011 तक के अपने पड़ाव में जनगणना ने प्रवासन का इतिहास, प्रजनन रुझान, कामकाज से जुड़ी आदतें और दिव्यांगता से जुड़े विस्तृत आंकड़ों को समाहित करना आरंभ किया। ऐसे में यह कहना उचित ही होगा कि जनगणना राज्य के समक्ष उभरते पहलुओं का प्रतिबिंब ही होती है।

देश में 2021 की जनगणना नहीं हो पाई। इसके पीछे एक प्रमुख कारण कोविड महामारी रही, जिसके चलते प्राथमिकताएं एकाएक बदल गई थीं और इतनी बड़ी प्रशासनिक प्रक्रिया संभव होती नहीं दिख रही थी।

महिला विधेयक : समावेशी नेतृत्व का नया युग

डॉ. विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

महिलाओं का विधेयक केवल एक विधायी सुधार नहीं है। यह समाज में सत्ता को समझने,वितरित करने और प्रयोग करने के तरीके में एक गहन परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। अपने मूल में,यह विधेयक लंबे समय से चली आ रही संरचनाओं को चुनौती देता है,जिसने ऐतिहासिक रूप से निर्णय लेने की प्रक्रि या में महिलाओं की भागीदारी को सीमित कर दिया है। अधिक प्रतिनिधित्व और समानता की वकालत करके,यह सत्ता को समावेशी, संतुलित और सम्पूर्ण जनसंख्या का प्रतिनिधि के रूप में पुनः परिभाषित करने का प्रयास करता है...

दशकों से,महिलाओं ने परिवारों,समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, फिर भी औपचारिक राजनीतिक और संस्थागत स्थानों पर उनकी उपस्थिति असमान रूप से कम रही है। महिला विधेयक इस असंतुलन को दूर करता है, तथा यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं को उचित स्थान मिले। इसमें यह माना गया है कि जब आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कम हो तो सच्चा लोकतंत्र अस्तित्व में नहीं आ सकता।

सत्ता को पुनः परिभाषित करने का अर्थ मानसिकता बदलना भी है। परंपरागत रूप से, शक्ति को प्रभुत्व और नियंत्रण के साथ जोड़ा जाता है। गुण अक्सर पुरुषार्थ में ढाले जाते हैं। महिला विधेयक नेतृत्व के बारे में अधिक सहयोगात्मक और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। महिला नेता अक्सर सामाजिक कल्याण,शिक्षा,स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक विकास पर आधारित दृष्टिकोण लाते हैं। उनका समावेश नीतिगत प्राथमिकताओं को व्यापक बनाता है तथा अधिक समग्र शासन की ओर ले जाता है।

महिला विधेयक का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने की क्षमता है। जब युवा लड़कियां महिलाओं को अधिकार के पदों पर देखती हैं, तो यह उनकी आकांक्षाओं को नया रूप देता है। यह एक स्पष्ट संदेश देता है- नेतृत्व को लिंग के आधार पर नहीं,बल्कि क्षमता, दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प से परिभाषित किया जाता है। यह मनोवैज्ञानिक बदलाव उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि विधेयक में प्रस्तावित संरचनात्मक परिवर्तन।

हालाँकि,ऐसे कानून की सफलता न केवल उसके पारित होने पर निर्भर करती है बल्कि इसके कार्यान्वयन पर भी निर्भर करती है। सामाजिक बाधाएं,सांस्कृतिक पूर्वाग्रह और संस्थागत प्रतिरोध अभी भी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। इसलिए, कानूनी सुधारों के साथ-साथ, सभी स्तरों पर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, जागरूकता और क्षमता निर्माण में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

आलोचक कभी-कभी तर्क देते हैं कि आरक्षण या कोटा योग्यता को कमजोर कर देता है। हालाँकि, यह दृष्टिकोण उन प्रणालीगत बाधाओं को नजरअंदाज करता है जो ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को अवसरों तक पहुंचने से रोकती रही हैं। महिला बिल योग्यता का स्थान नहीं लेता है। यह एक समान खेल का मैदान बनाता है जहां योग्यता वास्तव में चमक सकती है।

अंततः,महिला विधेयक सत्ता को विशिष्टता से समावेशीता की ओर पुनः परिभाषित करने के बारे में है। यह इस बात को स्वीकार करने के बारे में है कि विविध आवाजें मजबूत निर्णयों और अधिक लचीले समाजों की ओर ले जाती हैं। महिलाओं को सशक्त बनाकर यह विधेयक लोकतंत्र को ही मजबूत करता है।

मूल प्रावधान यह विधेयक (अब 106वां संशोधन अधिनियम) कई संरचनात्मक परिवर्तन प्रस्तुत करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं न केवल भागीदार हों, बल्कि सत्ता में हितधारक भी हों मात्रात्मक बदलाव- लोकसभा और राज्य सभाओं (दिल्ली विधानसभा सहित) में 33% सीटें आरक्षित।

उप-आरक्षण:-अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) से महिलाओं के लिए कोटा के भीतर एक कोटा शामिल है।

सनसेट क्लॉज:- आरक्षण को शुरू में 15 वर्षों के लिए निर्धारित किया गया है, जिससे इसकी प्रभावशीलता की समय-समय पर समीक्षा की जा सकेगी और यह आशा जताई जा सकती है कि लैंगिक समानता अंततः आत्मनिर्भर हो जाएगी।

रोटेशनल नीति:-प्रत्येक सीमांकन अभ्यास के बाद आरक्षित सीटों को घुमाया जाएगा ताकि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

यह शक्ति को पुनः परिभाषित क्यों करता है राजनीतिक विश्लेषकों और नेताओं का तर्क है कि यह विधेयक तीन अलग-अलग तरीकों से सत्ता के व्याकरण को बदलता है 1। प्रॉक्सी से लेकर प्रिंसिपल तक अतीत में स्थानीय पंचायत स्तर पर महिलाओं के आरक्षण के आलोचक सरपंच पाटी घटना की ओर इशारा करते थे (जहां पति अपनी चुनी हुई पत्नियों के माध्यम से शासन करते हैं)। हालांकि, 2023 अधिनियम उच्च विधायी निकायों को लक्षित करता है, जहां मीडिया की जांच और नीति निर्माण की जटिलता प्रत्यक्ष नेतृत्व की मांग करती है। यह राजनीतिक दलों को महिलाओं का एक नेतृत्व पाइपलाइन बनाने के लिए मजबूर करता है, जो कानून पर बहस कर सकें, बजट प्रबंधित कर सकें और मंत्रालयों का नेतृत्व कर सकें।

2। विधायी एजेंडा बदलना वैश्विक अध्ययनों से पता चलता है कि नेतृत्व में महिलाएं अक्सर पारंपरिक कठिन बुनियादी ढांचे की तुलना में सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और पेयजल को प्राथमिकता देती हैं। 33 प्रतिशत के महत्वपूर्ण आंकड़े तक पहुंचकर,महिलाएं मौन अल्पसंख्यक होने से एक मतदान समूह में बदल सकती हैं,जो राष्ट्रीय एजेंडे को अधिक समावेशी,कल्याण-उन्मुख नीतियों की ओर मोड़ सकता है।

3। राजनीतिक संस्कृति में बदलाव यह विधेयक राजनीतिक दल की संरचनाओं के पुराने लड़कों के क्लब स्वरूप को चुनौती देता है। चूंकि 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं द्वारा भरी जानी चाहिए, इसलिए पार्टियां अब यह तर्क नहीं दे सकतीं कि उन्हें जीत पाने योग्य महिला उम्मीदवार नहीं मिल सकते। यह लिंग को राजनीतिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में संस्थागत बनाता है,न कि एक बाद की बात के रूप में। कार्यान्वयन का मार्ग हालांकि यह विधेयक एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है,लेकिन सत्ता पर इसका वास्तविक प्रभाव दो ट्रिगर्स पर निर्भर करता है

जनगणना:- आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद पहली जनगणना के बाद ही प्रभावी होगा।

सीमांकन:- जनगणना के बाद, सीटों को आधिकारिक तौर पर आरक्षित करने से पहले एक सीमा निर्धारण अभ्यास (निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं का पुनः चित्रण) किया जाना चाहिए।

यह केवल प्रतिनिधित्व के बारे में नहीं है; यह सत्ता को पुनः परिभाषित करने के बारे में है। भारत सिर्फ एक ऐतिहासिक अन्याय को सही नहीं कर रहा है,बल्कि अपने लोकतांत्रिक वादे का चक्र पूरा कर रहा है। वर्तमान स्थिति (2026 संदर्भ) 2026 की शुरुआत तक, विधेयक पारित होने से हटकर जनगणना और सीमा निर्धारण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अब बहस इस बात पर केंद्रित है कि शक्ति को पुनः परिभाषित करने में विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाएं भी शामिल हों, जिसमें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) उप-कोटा की मांग भी शामिल है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नई शक्ति संरचना यथासंभव प्रतिनिधि हो

शक्ति को पुनः परिभाषित करते हुए, हम इसे किसी से नहीं छीन रहे हैं। हम इसे सभी को शामिल करने के लिए विस्तारित कर रहे हैं।

रील,व्लॉग और बकवास

बकवास की ब्रॉडकास्ट में दिशाहीन होती युवा पीढ़ी

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

आज के समय में अगर कोई सबसे तेज़ी से फैलने वाली चीज़ है, तो वह है–बकवास। फर्क बस इतना है कि अब यह बकवास चाय की दुकानों या चौपालों तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन पर सजकर रील और व्लॉग के नाम से पूरे समाज में ब्रॉडकास्ट हो रही है।

एक समय था जब युवा अपने सपनों के लिए जागते थे,आज वे नोटिफिकेशन के लिए जागते हैं। पहले लक्ष्य तय होते थे, अब ट्रेंड तय होते हैं। पहले मेहनत पर ताली बजती थी, अब बकवास पर लाइक और शेयर मिलते हैं। यही वह बदलाव है, जिसने युवा पीढ़ी को धीरे-धीरे एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहाँ शोर तो बहुत है,लेकिन सार बिल्कुल नहीं।

रील और व्लॉग,जो मूल रूप से रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के माध्यम हो सकते थे,आज एक ऐसी दौड़ का हिस्सा बन चुके हैं,जहाँ गुणवत्ता नहीं,बल्कि वायरल होना सबसे बड़ा लक्ष्य है। इस दौड़ में कंटेंट नहीं, कंटेंट का शोर मायने रखता है। जितना ज्यादा विचित्र,जितना ज्यादा सनसनीखेज़,उतनी ही ज्यादा लोकप्रियता। ऐसे में गंभीरता,संवेदनशीलता और ज्ञान जैसे शब्द धीरे-धीरे हाशिए पर चले जाते हैं।

युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा आज कंटेंट क्रिएटर बनने की होड़ में है, लेकिन यह कोई नहीं सोच रहा कि वे क्या बना रहे हैं और क्यों बना रहे हैं। कैमरा ऑन होते ही अभिनय शुरू हो जाता है, और कैमरा ऑफ होते ही वास्तविकता का खालीपन सामने आ जाता है। यह एक ऐसी दुनिया है,जहाँ दिखावा ही असली पहचान बन चुका है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस बकवास को अब सामान्य और स्वीकार्य मान लिया गया है। जो जितना अधिक समय स्क्रीन पर बिताता है, उसे उतना ही अपडेटेड माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि यह अपडेट नहीं,बल्कि एक प्रकार की मानसिक थकान और दिशाहीनता है। आज का युवा घंटों यह सोचने में लगा रहता है कि अगली रील में क्या दिखाना है,लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालता कि जीवन में क्या करना है। यह विडंबना ही है कि जिस पीढ़ी के पास सबसे अधिक संसाधन हैं,वही सबसे अधिक भ्रमित और बिखरी हुई दिखाई देती है। यह समस्या केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सोचने की क्षमता को भी प्रभावित कर रही है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने की आदत ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है। गहराई से सोचने,पढ़ने और समझने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। सब कुछ जल्दी चाहिए–जल्दी मनोरंजन,जल्दी प्रसिद्धि और जल्दी सफलता।

व्लॉग और रील्स के इस दौर में एक और खतरनाक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है–दूसरों की नकल। मौलिकता की जगह कॉपी-पेस्ट ने ले ली है। कोई ट्रेंड चल पड़ा, तो हर कोई उसी को दोहराने लगता है। इस प्रक्रिया में न तो कुछ नया पैदा होता है और न ही कोई सार्थक संदेश जाता है। बस एक जैसी बकवास का अंबार लग जाता है।

समाज पर इसका प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। संवाद की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। लोग अब जीने से ज्यादा दिखाने में विश्वास करने लगे हैं। हर छोटी-बड़ी घटना को कैमरे में कैद करना जरूरी हो गया है, चाहे वह निजी हो या संवेदनशील। यह प्रवृत्ति न केवल निजता को खत्म कर रही है, बल्कि संवेदनाओं को भी कमजोर बना रही है।यह कहना गलत नहीं होगा कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहाँ बकवास एक उद्योग बन चुकी है। इसमें समय भी लग रहा है,पैसा भी लग रहा है और सबसे बड़ी बात–युवा पीढ़ी की ऊर्जा भी लग रही है। लेकिन इसके बदले में क्या मिल रहा है? कुछ लाइक्स,कुछ फॉलोअर्स और एक झूठी संतुष्टि,जो कुछ ही पलों में खत्म हो जाती है।

इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या है। जब तक हम इसे केवल मनोरंजन कहकर नजरअंदाज करते रहेंगे, तब तक इसका समाधान संभव नहीं है।

युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि हर ट्रेंड का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है। हर रील बनाना जरूरी नहीं है। और सबसे महत्वपूर्ण–हर बकवास को देखना और शेयर करना जरूरी नहीं है। जरूरत है एक संतुलन की। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें। रील बनाएं,लेकिन उसमें सार हो। व्लॉग करें,लेकिन उसमें सच्चाई हो। अगर हम इस माध्यम को सही दिशा में उपयोग करें,तो यह एक शक्तिशाली साधन बन सकता है। लेकिन अगर इसे यूं ही बकवास का माध्यम बनने दिया गया, तो यह पीढ़ी को केवल शोर और खालीपन ही देगा।

अंत में,यह याद रखना जरूरी है कि भविष्य लाइक्स और व्यूज़ से नहीं बनता,बल्कि मेहनत,अनुशासन और सही दिशा से बनता है। अगर युवा पीढ़ी ने समय रहते इस अंतर को नहीं समझा, तो रील, व्लॉग और बकवास केवल एक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट बन जाएगा।

आज सवाल यह नहीं है कि कौन सा वीडियो वायरल हो रहा है, बल्कि यह है कि कौन सा विचार जीवित रह रहा है। क्योंकि अंततः वही विचार समाज को दिशा देते हैं–बकवास नहीं।

अनमोल वचन

अवसर सूर्य उदय की तरह होते है
यदि आप ज्यादा देर प्रतीक्षा करेंगे
तो आप उन्हें गवा देंगे

बलड़ी(हरसूद) की वह भौतिक धरती नर्मदा मैया की गोद में विश्राम कर रही है...

डॉ. मुश्ताक़अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्यप्रदेश

हमारी स्मृतियों की नदी जब बहती है, तो वह केवल शब्दों को नहीं, बल्कि एक पूरे कालखंड को जीवंत कर देती है। पुराने हरसूद की तहसील का वह गौरवशाली गाँव बलड़ी, जो आज नर्मदा के अथाह जल में समाया हुआ है,यादों के जरिए एक बार फिर अपनी पूरी भव्यता के साथ यहाँ उभर रहा है। एक फिल्म के स्क्रीन की तरह।

यहाँ आपकी भावनाओं, स्थानों की विशिष्टता और उस दौर की संस्कृति को समेटता हुआ एक आलेख प्रस्तुत है। स्मृतियों का बलड़ी, एक गाँव जो दिल में धड़कता है।

दुनिया के नक्शे पर शायद वह स्थान अब डूब क्षेत्र कहलाता हो, लेकिन हमारे ज़ेहन में बलड़ी (हरसूद) आज भी वैसा ही आबाद है,वही सोंधी मिट्टी, वही ऊंचे सागौन के पेड़ और वही अपनत्व से भरी गलियाँ। वह गाँव हमारा सबका प्यारा था, क्योंकि वहाँ रिश्तों में कोई दरार नहीं थी। प्रकृति और परिवेश जहाँ सुकून बसता था

बलड़ी की सुबह नर्मदा नदी की शीतल लहरों और अमराई में कोयल की कूक से शुरू होती थी। वह बावड़ी जिसका पानी अमृत समान था, और वह स्कूल जहाँ शिक्षकों के अनुशासन ने हमें गढ़ना सिखाया। गाँव की चौपाल पर होने वाली चर्चाएं किसी संसद से कम नहीं थीं,जहाँ छोटे-बड़े का मान और सामूहिक निर्णय की परंपरा थी। खेत-खलिहान अनाज से भरे रहते थे और घरों के खूंटों पर बँधे गाय-बैल परिवार का हिस्सा हुआ करते थे। गंगा-जमुनी तहजीब और आस्था के द्वार।

बलड़ी की सबसे बड़ी ताकत उसकी संस्कृति थी। यहाँ आस्था के दो मज़बूत स्तंभ थे,एक ओर बैडे वाले पीर बाबा का दरश-परस था,जहाँ हर दुखी मन को शांति मिलती थी,तो दूसरी ओर बजरंग मंदिर की घंटियाँ जीवन में सात्विक ऊर्जा भरती थीं।

यहाँ का मोहर्रम और ताजिया उत्सव अपनी विशिष्ट पहचान रखता था। ताज़ियों की वह नक्काशी और गम-ए-हुसैन में शरीक होने वाला पूरा गाँव,यह नजारा हिंदू-मुस्लिम एकता की एक ऐसी मिसाल था,जो आज के दौर में दुर्लभ है। मेलों और त्योहारों का रंगीन संसार गाँव का कैलेंडर त्योहारों और मेलों से तय होता था,नर्मदा नदी के घाट पर भूतड़ी अमावस का मेला श्रद्धा और रोमांच का वह संगम, जहाँ दूर-दूर से लोग आते थे। नाग पंचमी अखाड़ों की गूंज और मिट्टी की कुश्ती का वह जोश। भुजरिया तेवहार का रंगीन मौसम,ईद,दिवाली और गणेश उत्सव,इन त्योहारों में पूरा गाँव एक घर बन जाता था। मिठाइयों का आदान-प्रदान और सामूहिक खुशियाँ ही बलड़ी की असली दौलत थीं। मिडिल स्कूल का टूर्नामेंट, कबड्डी खो खो, वालीबॉल,

कला और मनोरंजन की विरासत

उस दौर में मनोरंजन केवल मनोरंजन नहीं,बल्कि संस्कार थे। रंगमंच,चाणक्य-माणक के नाटकों और रामलीला का वह जीवंत अभिनय,जिसकी गूंज आज भी कानों में है। कठपुतली के खेल और रात-रात भर चलने वाली कव्वालियों,की महफिलें रूह को सुकून देती थीं।

आर्केस्ट्रा,गाँव में होने वाले आर्केस्ट्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अपना ही क्रेज था।

प्रशासनिक गरिमा,गाँव का रेंज ऑफ़िस जो अपनी व्यवस्था और हरियाली के लिए जाना जाता था, बलड़ी की एक अलग पहचान सुनिश्चित करता था।

करीम चचा का झूला और वह सुनहरी शामें हमें याद है करीम चचा का वह झूला जहाँ बचपन की किलकारियाँ गूँजती थीं। शाम होते ही घरों के बाहर टंगे लालटेन की मद्धम रोशनी गाँव को एक अलौकिक सुंदरता देती थी। वह सुनहरी शाम जब ढलती थी,तो ऐसा लगता था जैसे प्रकृति स्वयं हमें लोरी सुना रही हो।

आज भले ही बलड़ी की वह भौतिक धरती नर्मदा मैया की गोद में विश्राम कर रही है,लेकिन वह संस्कृति और वह परिवेश आज भी हम सबके भीतर जीवित है। हरसूद का वह हिस्सा जिसे हमने खोया,वह केवल जमीन का टुकड़ा नहीं था, वह एक पूरी सभ्यता थी। हमारे खेत, खलिहान, शिक्षक,पीर बाबा और बजरंग मंदिर ये सब हमारी रगों में दौड़ते संस्कारों के रूप में आज भी अमर हैं। बलड़ी केवल एक नाम नहीं,बल्कि एक एहसास है,जो ताउम्र हमारे साथ रहेगा।

दर्द और आँसूओं की ताकत

उन दीवारों से पूछो वो रातें कैसी थीं,
जब रोटी भी छुप-छुप के खाती थी।
उनके आँसू भी आवाज़ न करें कहीं,
इस डर से हर पीड़ा दबाई जाती थी।
नन्ही-सी उम्र में सपने देखें थे कोमल,
लेकिन किस्मत ने यूं बोझ थमा दिया।
अपनों के मध्य में ही पराया बनाकर,
ज़िन्दगी जीना जैसे सज़ा बना दिया।
हर एक चोट ने दिल को तोड़ा जरूर,
पर स्वयं की हिम्मत को तोड़ ना पाई।
यहाँ अंधेरों ने भी लाख कोशिशे की,
पर एक आशा की किरण बुझ न पाई।
एक दिन जब हद से ही गुज़र गया दर्द,
और साँसें भी ज्यादा भारी लगने लगीं।
तबसे भीतर की एक छोटी-सी उम्मीद,
अंदर ही हौले-हौले से फिर जगने लगी।
कहा–तू खत्म होने के लिए नहीं बनी,
तू तो एक नवद कहानी है बदलाव की।
जो राख से भी उठकर जल उठेगी फिर,
एक नई उजली होके निकले आग सी।
आँसू को ताकत बना डर को छोड़ दिया,
जो रोटी छुपके खाती रिश्ता तोड़ दिया।
ये वही चेहरा जिसने अंधेरों को हराया है,
ये कहती–तू उठ, तेरा भी वक्त आया है।

संजय एम तराणेकर
इन्दौर,मध्य प्रदेश

जिम के महंगे कपड़े शरीर में घोल रहे जहर!

-स्वाति शर्मा-

स्किन इन्फेक्शन से लेकर हार्मोनल गड़बड़ी तक का है खतरा जिम के लिए आप जो स्टाइलिश एक्टिववियर्स खरीदते हैं,वो चुपके-चुपके आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आजकल फिटनेस का क्रेज काफी बढ़ रहा है और इसलिए कई लोगों जिम जाना भी पसंद करते हैं। जिम जाना सिर्फ एक्सरसाइज करने तक सीमित नहीं रह गया है। अब बाजार में कई तरह के एक्टिववियर्स भी मिलते हैं, जो देखने में काफी स्टाइलिश होते हैं और दावा करते हैं कि आपकी परफॉर्मेंस बढ़ाने में भी मदद करेंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिम के लिए बने ये एक्टिववियर आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह भी हो सकते हैं? आइए इस बारे में डॉ. चांदनी जैन गुप्ता (डर्मेटोलॉजिस्ट एंड एस्थेटिक फिजिशियन,एटलांटिस हेल्थ केयर,नई दिल्ली)

क्या है असली खतरा?

अमेरिका में एक्टिववियर में पाए जाने वाले केमिकल्स को लेकर शुरू हुए विवाद ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी है। दरअसल,ज्यादातर जिम के कपड़े प्लास्टिक से बने पॉलीमर से बने होते हैं। इन कपड़ों को स्ट्रेचेबल,पसीना सोखने वाला और बदबू रोकने के लिए बनाने के लिए एंडोक्राइन-डिस्प्टिंग केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

ये ऐसे केमिकल हैं, जो हमारे शरीर के हार्मोन सिस्टम में गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं। ये केमिकल्स एंडोक्राइन सिस्टम के साथ छेड़छाड़ करते हैं, जिनके कारण हार्मोनल इंबैलेंस हो सकता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

चोरी गए मोबाइल से 1 लाख 6 हजार रुपए की निकासी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
लुण्ड्रा थाना अंतर्गत बाजार गए एक व्यक्ति के जेब से मोबाइल चोरी करके अज्ञात ने 1 लाख 6 हजार 299 रुपये आहरण किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार ग्राम खाराकोना निवासी प्रेमशंकर गुप्ता के जेब से 6 अप्रैल को शाम करीब 5 बजे लुण्ड्रा बाजार से अज्ञात व्यक्ति मोबाइल पार कर दिया था। मोबाइल चोरी होने का पता चलने पर उन्होंने अन्य मोबाइल फोन से अपने नम्बर पर कॉल किया तो मोबाइल फोन स्विच ऑफ बता रहा था। एक घंटे उसने अपना नया सिम चालू करवा लिया, क्योंकि उसके मोबाइल नंबर से बैंक एकाउण्ट लिंक था। बैंक स्टेटमेंट को खंगालने पर पता चला कि उसके बैंक खाता से 6 अप्रैल को 4500 सौ रुपए यूपीआई के माध्यम से और अलग-अलग तिथि में 49,999 रुपये, 50 हजार रुपये, 1800 रुपये कुल 1 लाख 6 हजार 299 रुपए निकाला गया है। ट्रांजेक्शन डिटेल को देखने पर रेबिन बसाक नाम के व्यक्ति के खाता में राशि जाना पाया और वापस खाते में 2 रुपये डालना सामने आया है। मामले में पुलिस अपराध दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

दो दोपहिया वाहन चोरी, रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
गांधीनगर थाना क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन चोरी का मामला सामने आया है। शहर के बंगाली चैक के पास स्थित निजी अस्पताल में ओटी टेक्निशियन का काम करने वाले रोहित चंद्र माल ने गांधीनगर थाना पुलिस को बताया है कि 13 अप्रैल को वह अपरान्ह करीब 3 बजे टीव्हीएस राइडर सुपर स्कवॉड एडीशन क्रमांक सीजी 15 ईबी 0405 से बंगाली चैक के पास स्थित आस्था अस्पताल गया था। ड्यूटी समाप्त होने के बाद रात्रि करीब 9 बजे वापस सुभाषनगर, सरस्वती महाविद्यालय के पीछे स्थित घर आया और मोटरसायकल को घर के अंदर दरवाजा के पास लॉक करके खड़ा करके सोने के लिए चले गया था। रात्रि करीब 12.30 बजे बाहर निकला तो गाड़ी सुरक्षित खड़ी थी। 14 अप्रैल को सुबह करीब 7 बजे उठा तो मोटरसायकल नहीं थी। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। दूसरे मामले में प्रतापपुर नाका सहेली गली केदारपुर निवासी संस्कार पुरी पिता अनित पुरी 22 वर्ष ने पुलिस को लिखित में अवगत कराया है कि 13 अप्रैल को वह रात करीब 11.30 बजे किसी काम से सुभाषनगर में थाना के सामने स्थित दुर्गा बाड़ी गली में रॉय काम्पलेक्स के बाहर मां रंजीता पुरी के नाम पर पंजीकृत स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीयू 7398 को पार्क करके दोस्त हिमांश कश्यप के घर भगवानपुर गया था। देर रात 2 बजे वापस आया तो स्कूटी नहीं थी। दोनों मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

शिक्षक के सूने मकान से रुपए व जेवरात चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
लखनपुर थाना क्षेत्र के प्राथमिक शाला केवरी में पदस्थ शिक्षक के सूने मकान का ताला तोडक़र नकद रकम सहित एक लाख 20 हजार का जेवरात अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। शिक्षक रामप्रवेश सिंह ने पुलिस को बताया है कि 11 अप्रैल, रविवार को बच्चों का स्कूल में अवकाश रहने के कारण वे अपने परिवार के साथ रात लगभग 9.30 बजे केवरा से अंबिकापुर आ गए थे। 12 अप्रैल को सुबह लगभग 11 बजे पत्नी, बच्चे एवं परिवार के अन्य सदस्य वापस ग्राम केवरा स्थित घर के बाहर का दरवाजा खोलकर अंदर गए तो कमरे का ताला टूटा था, और पूरा सामान बिखरा हुआ था। अलमारी का दरवाजा खुला था और पेटी का ताला भी टूटा हुआ था। अलमारी में रखा सोने का रानी हार, वजन करीब तीन तोला एवं नगद 15000 रुपये नहीं था। चोरी गए हार की कीमत एक लाख 5 हजार रुपये है।

'जब मनुष्य अहंकार छोडक़र जिज्ञासा करता है, तभी उसे सत्य ज्ञान की होती है प्राप्ति'

टीएस सिंहदेव सहित राजपरिवार की मौजूदगी, योग शक्ति गीता दीदी ने बताया जीवन का सार...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
ब्रह्माकुमारी संस्थान में आयोजित श्रीमद् भगवत गीता ज्ञान यज्ञ के तृतीय सत्र का शुभारंभ बुधवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सरगुजा महाराज एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, बिंदेश्वरी शरण सिंह देव और शैलेश सिंह देव द्वारा दीप प्रज्वलन व अतिथि सम्मान के साथ किया गया। मुख्य वक्ता सिवनी (मध्यप्रदेश) से आई योग शक्ति गीता दीदी ने अपने प्रवचन में कहा कि महाभारत की युद्धभूमि में अर्जुन केवल युद्ध नहीं, बल्कि जीवन के गहरे रहस्यों को जानना चाहते थे। उन्होंने आत्मा, परमात्मा, धर्म और कर्म से जुड़े प्रश्न पूछे। जब मनुष्य अहंकार छोडक़र जिज्ञासा करता है, तभी उसे सत्य ज्ञान की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि अर्जुन ने भगवान से कहा कि वह मोह और भ्रम में हैं और सही मार्गदर्शन चाहते हैं। इसके बाद भगवान ने उन्हें दिव्य दृष्टि प्रदान कर अपना विराट स्वरूप दिखाया। इस साक्षात्कार के बाद अर्जुन का भ्रम समाप्त हो गया और उन्हें परम सत्य का ज्ञान हुआ। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि गीता का सबसे बड़ा संदेश समानता है। उन्होंने कहा कि सभी मनुष्य एक ही परमपिता परमात्मा की संतान हैं, इसलिए सभी के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। संभाग संचालिका विद्या दीदी ने अतिथियों और श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस दौरान राजपरिवार सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम 18 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 5 से 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा। साथ ही सुबह 6 बजे से म्यूजिकल एक्सरसाइज, पॉजिटिव थिंकिंग और मेडिटेशन सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं।

अंबिकापुर में समरसता भोज व कार्यशाला का आयोजन.....

अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत भाजपा मंडल समलाया की पहल, सामाजिक एकता पर जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत भाजपा मंडल समलाया द्वारा समरसता भोज और कार्यशाला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, डॉ. भीमराव अंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके बाद अतिथियों ने सभी समाजजनों के साथ बैठकर समरसता भोज ग्रहण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए हैं। भाजपा समरसता के माध्यम से समाज को एकजुट करने का कार्य कर रही है। एससी समाज प्रमुख अजय इंगोले ने कहा कि यह अभियान डॉ. अंबेडकर के विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। हमें जाति और धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर अम्बिकेश केशरी ने कहा कि समरसता भोज से समाज में भाईचारा और एकता का संदेश जा रहा है।

युवाओं को ऐसे आयोजनों से प्रेरणा लेकर समाजहित में आगे आना चाहिए। नगर निगम अध्यक्ष हरमिंदर सिंह टिन्नी ने कहा कि नगर निगम अंबिकापुर, डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप विकास कार्य कर रहा है। भाजपा का यह अभियान सामाजिक समरसता को और मजबूत करेगा। भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंबेडकर जी के समानता के विचार समाज को नई दिशा देंगे। हमें सभी भेदभाव छोडक़र एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम में एससी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश सोनकर और नकुल सोनकर ने भी अपने विचार रखे। अंत में अतिथियों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री अजय सोनी ने किया, जबकि पार्षद किरण सिंह तोमर ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समाजजन उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थानों पर खड़े कंडम वाहनों को हटाने 7 दिन की मोहलत, निगम करेगा कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्र में सार्वजनिक सड़कों एवं स्थलों पर लंबे समय से खड़े खराब (कंडम) वाहनों को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। दिनांक 17 मार्च 2026 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में अधिकारियों एवं व्यापारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ऐसे वाहन यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं और आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी क्रम में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 322 के तहत सभी वाहन स्वामियों को निर्देशित किया गया है कि वे सार्वजनिक मार्ग अथवा स्थानों पर खड़े अपने खराब वाहनों को 7 दिवस के भीतर हटा लें। निर्धारित समय-सीमा में वाहन नहीं हटाए जाने की स्थिति में निगम द्वारा उक्त वाहनों को जब्त करते हुए धारा 322 (4) के तहत नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने नागरिकों से शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी संबंधित वाहन स्वामी समय-सीमा का पालन करने की अपील की है।

एनआरसी उदयपुर में फीडिंग डेमोन्स्ट्रेटर पद हेतु परीक्षा परिणाम जारी...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) द्वारा अंतर्गत पोषण पुनर्वास केन्द्र उदयपुर में फीडिंग डेमोन्स्ट्रेटर के रिक्त पद पर संविदा भर्ती की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई है। इस पद हेतु भर्ती के लिए पूर्व में जारी विज्ञापन के अनुसार दिनांक 15 अप्रैल 2026 को लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार आयोजित किया गया था। उक्त परीक्षा में कुल 10 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। आयोजित चयन प्रक्रिया के पश्चात परीक्षा परिणाम एवं उत्तर पुस्तिका से संबंधित जानकारी जारी कर दी गई है। अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट www.surguja.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने परिणाम की जानकारी हेतु वेबसाइट का अवलोकन करें।

नजूल लीज संकट : अम्बिकापुर के 20 हजार नागरिक परेशान, कलेक्टर से त्वरित समाधान की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र में नजूल भूमि लीज नवीनीकरण का मुद्दा अब गंभीर जनसमस्या बनता जा रहा है। इस संबंध में अजीत बसंत (कलेक्टर, सरगुजा) को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि शहर में लगभग 20 हजार नजूल लीज पट्टाधारी हैं, जिनमें से करीब 80 प्रतिशत की लीज अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है। समय पर नवीनीकरण नहीं होने से आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारिक वर्ग भी गंभीर संकट से जूझ रहा है। सबसे अधिक प्रभावित वे व्यापारी हैं, जिन्होंने अपनी नजूल भूमि को बैंक में मॉर्गेज रखकर ऋण या कैश क्रेडिट लिमिट ली हुई है। लीज समाप्त होने के कारण बैंक ऑडिट में आपत्तियां उठ रही हैं और खातों को बंद करने की चेतावनी दी जा रही है। इससे व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया में देरी का फायदा उठाकर बिचौलिये सक्रिय हो गए हैं और कथित रूप से आम लोगों से मोटी रकम की वसूली कर रहे हैं। इससे आम जनता में भारी असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में मांग की गई है कि राजस्व विभाग द्वारा वार्ड स्तर पर विशेष शिविर लगाकर नजूल तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों की अतिरिक्त तैनाती की जाए। साथ ही, मौके पर सत्यापन कर छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 165 एवं 182 के तहत लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए। ज्ञापन सौंपने वाले आलोक दुबे ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो हजारों नागरिकों और व्यापारियों को बड़े आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए तत्काल राहत प्रदान करने की मांग की है।

गर्मी ने अब अपना तेवर दिखाना किया शुरू, तापमान 39 डिग्री

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
शहर में गर्मी ने अब अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। बीते तीन दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित होने लगा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। अचानक बढ़ी गर्मी के कारण दोपहर के समय चिलचिलाती धूप में लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। तेज धूप से बचने के लिए लोग छांव की तलाश करते नजर आए। जरूरी काम होने पर ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं और चेहरे को गमछे या तौलिये से ढककर चल रहे हैं। गर्मी के असर से लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव दिखने लगा है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। चिकित्सकों ने लोगों को अधिक मात्रा में पानी पीने, हल्का भोजन करने और धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले कुछ दिनों तक बादल छाए रहने से तापमान 30 से 31 डिग्री के आसपास बना हुआ था। लेकिन मौसम साफ होते ही सोमवार से तापमान में तेजी से वृद्धि शुरू हो गई, जो अब 39 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आने वाले समय में तापमान में वृद्धि और दर्ज की जाएगी।

फरार मवेशी तस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे, मामले में वाहन मालिक एवं चालक भेजे जा चुके हैं सलाखों के पीछे

-संवाददाता-
बलरामपुर, 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के राजपुर थाना अंतर्गत बलिया चौकी क्षेत्र के ग्राम आरा सारना पारा के पास पूर्व में पिकअप वाहन में पशु तस्करी करने की पुलिस को सूचना मिली थी, जिस पर बारियों चौकी पुलिस ने मवेशी से भरे पिकअप वाहन को जप्त कर वाहन चालक एवं वाहन स्वामी को कार्यवाही कर कार्रवाई कर सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। उक्त मवेशी तस्करी मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करअपराध क्रमांक 111/ 2026 धारा छ.ग.कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10 एव पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)घ के तहत कार्यवाही कर आरोपी आबिद अंसारी पिता सहमीर अंसारी उम्र 32 वर्ष पता सोनपूर्वा थाना रंका जिला गढ़वा झारखंड को भेजा सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार मवेशी तस्करी मामले में पूर्व में घटना दिनांक को बारियों चौकी पुलिस को ग्राम आरा सरना पारा के पास से पिकप वाहन से मवेशी तस्करी होने की सूचना मिली थी, बारियों पुलिस के मौके पर पहुँचने पर पुलिस को देखकर तस्कर पिकअप वाहन को लेकर भागने के दौरान खेत में पिकअप के फंस जाने से ड्राइवर मवेशी से भरा पिकअप को छोड़ कर फरार हो गया था। मामले में अपराध क्रमांक 111/2026 धारा छ.ग.कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10 एव पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)घ का अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत कार्यवाही करते हुए पूर्व में वाहन स्वामी एवं ड्राइवर को जेल भेजा जा चुका है।

अंबिकापुर से गिरफ्तार हुआ फरारा आरोपी : पुलिस ने मामले में एंड टू एंड कार्यवाही करते हुए मवेशियो की खरीद बिक्री करने वाले फरार आरोपी आबिद खान को घेराबंदी कर सीतापुर रोड अंबिकापुर से विधिवत हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी के द्वारा अपराध करना स्वीकार पर पुलिस ने आरोपी आबिद खान को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

कोरिया जिले में सीबीएसई 10वीं परिणाम...जीबीएस से उबरकर कुदसिया ने हासिल किया 91 प्रतिशत अंक

गंभीर बीमारी से पीड़ित 10 वीं की छात्रा ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में प्राप्त किया 91 प्रतिशत अंक

- जीबीएस सिंड्रोम नामक वायरस से पीड़ित है छात्रा,उत्कृष्ट परिणाम लाकर अपनी मजबूत इच्छाशक्ति का दिया उदाहरण...
- मजबूत इच्छाशक्ति के सामने शारीरिक चुनौती भी नहीं आई आड़े गंभीर रूप से बीमार 10 वीं की छात्रा ने अर्जित किए उत्कृष्ट अंक
- कोरिया जिला : परिणामों के बीच उभरी एक संघर्षपूर्ण कहानी

-संवाददाता-
कोरिया,15 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में सीबीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा के परिणाम घोषित होने के साथ ही कई विद्यार्थियों के परिणाम सामने आए हैं,इसी क्रम में सेंट जोसेफ इंग्लिश मीडियम स्कूल,रामपुर की छात्रा कुदसिया का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है,जिन्होंने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। बता दे की जब मन की इक्षाशक्ति मजबूत हो और कुछ कर गुजरने की ललक और जज्बा हो शारीरिक कोई चुनौती भी आड़े नहीं आती, बाधक नहीं बन पाती सफलता की राह में और मजबूत इक्षाशक्ति वाला इंसान नए कीर्तिमान स्थापित कर जाता है,वह एक नया इतिहास लिख जाता है वह अपना नाम प्रसिद्ध कर जाता है,ऐसा ही कुछ कोरिया जिले की एक मेघावी छात्रा ने कर दिखाया है और उसने गंभीर बीमारी से पीड़ित होने के बावजूद सीबीएसई की 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं जो उसके मजबूत जज्बे को साबित करता है,छात्रा जीबीएस सिंड्रोम नामक एक वायरस से पीड़ित है और वह इसके बावजूद पढ़ाई जारी रखते हुए उत्कृष्ट स्थान परिणाम लाकर आज जिले,विद्यालय सहित परिवार का नाम रोशन कर चुकी है,बैकुंठपुर रामपुर में संचालित संत जोसेफ इंग्लिश मीडियम स्कूल की कक्षा 10 वीं की छात्रा कुदसिया बीमारी की वजह से कक्षा में शामिल नहीं हुई थी,इसके पहले वह 6 महीने तक गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की वजह से अस्पताल में भर्ती थी,ऑनलाइन सहित स्व अध्ययन से छात्रा ने 91 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं,जीबीएस दुर्लभ,गंभीर ऑटोइम्यून न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अपनी ही नसों पर हमला कर देती है,इससे अचानक पैरों में झनझनाहट और कमजोरी शुरू होकर शरीर में ऊपर की ओर तेजी से फैलती है,जो लकवा का कारण बन सकती है, यह अक्सर किसी वायरल या बैक्टीरियल इन्फेक्शन के बाद होता है।

छात्रा का परिचय

कुदसिया,पिता रुखसार अहमद,सेंट जोसेफ इंग्लिश मीडियम स्कूल,रामपुर की छात्रा हैं, उन्होंने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।

मार्च 2025 में गंभीर बीमारी से जूझना पड़ा

मार्च 2025 में कुदसिया जीबीएस (गुल्लेन बैरे सिंड्रोम) बीमारी से प्रभावित हुई,इस बीमारी के कारण उनकी शारीरिक स्थिति काफी गंभीर हो गई थी। उन्हें लगभग छह महीने तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और इस दौरान एक महीने तक वेंटिलेटर पर भी रखा गया,बीमारी के चलते उनकी सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुई और वे ठीक से लिख भी नहीं पा रही थीं।

अस्पताल से लौटने के बाद पढ़ाई की पुन : शुरुआत

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अगस्त 2025 में कुदसिया ने अपनी पढ़ाई घर फिर से शुरू की,उन्होंने सीबीएसई की ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अध्ययन जारी रखा, शुरुआत में उन्हें लिखने में कठिनाई होती थी, लेकिन नियमित अभ्यास से धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हुआ। उन्होंने पूरा पाठ्यक्रम स्वयं अध्ययन कर पूरा किया।

परीक्षा में स्वयं लिखकर देने का निर्णय

कुदसिया की शारीरिक स्थिति को देखते हुए विद्यालय द्वारा परीक्षा में लेखक की सुविधा देने की बात कही गई थी,लेकिन उन्होंने स्वयं लिखकर परीक्षा देने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने प्रयासों के आधार पर पूरी परीक्षा खुद लिखकर दी।

पढ़ाई और व्यायाम को बनाया दिनचर्या का हिस्सा

तैयारी के दौरान कुदसिया ने पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया। उन्होंने नियमित रूप से अध्ययन किया और शारीरिक सुधार के लिए व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल किया। इससे उनकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ।

परिवार और विद्यालय का मिला सहयोग

इस पूरे समय में कुदसिया को उनके परिवार, विद्यालय के प्रिंसिपल, शिक्षकों और विशेष रूप से क्लास टीचर का पूरा सहयोग मिला। सभी ने उन्हें पढ़ाई जारी रखने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया,सभी चुनौतियों के बावजूद कुदसिया ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं,यह परिणाम उनके निरंतर प्रयास और अनुशासन को दर्शाता है, कोरिया जिले में घोषित सीबीएसई 10वीं परीक्षा परिणामों के बीच कुदसिया की सफलता एक ऐसे उदाहरण के रूप में सामने आई है,जिसमें गंभीर बीमारी के बावजूद पढ़ाई जारी रखकर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किया गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण

नीति-निर्माण में महिलाओं की बढ़ेगी सक्रिय भूमिका-जिला पंचायत अध्यक्ष

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में केंद्र सरकार के ऐतिहासिक निर्णय'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का देशभर में स्वागत हो रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह ने इस अधिनियम को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में मील का पत्थर बताते हुए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नीति-निर्माण में महिलाओं की बढ़ेगी सक्रिय भूमिका

श्रीमती निरूपा सिंह ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की सराहना करते हुए कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्म-सम्मान और राजनीतिक अधिकारों की नई पहचान है। उन्होंने कहा कि इससे नीति-निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी न केवल सुनिश्चित होगी, बल्कि सुदृढ़ भी होगी। इस ऐतिहासिक निर्णय से सरगुजा और छत्तीसगढ़ की बहनों में हर्ष का माहौल व्याप्त है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लाया गया यह अधिनियम हम सभी महिलाओं के लिए अत्यंत सराहनीय और हर्ष का विषय है। सरगुजा वासियों और छत्तीसगढ़ की समस्त बहनों की ओर से उन्होंने प्रधानमंत्री जी का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनकी दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि अब हमारी बहनें देश की सबसे बड़ी पंचायतों में बराबर की सहभागिता निभाएंगी।

मां महामाया मंदिर स्ट्रीट लाइट कार्य पर सवाल,गुणवत्ता पर उठे गंभीर संदेह

लाखों की लागत,लेकिन काम पर उठ रही उंगलियां

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,15 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के खड़गवां ग्राम पंचायत स्थित मां महामाया मंदिर परिसर में इन दिनों लाखों रुपये की लागत से स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य कराया जा रहा है, इस परियोजना का उद्देश्य मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में बेहतर रोशनी की व्यवस्था करना है, ताकि श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को सुविधा मिल सके, हालांकि, कार्य की मौजूदा स्थिति ने इस पहल पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जमीनी हकीकत से नाराज ग्रामीण

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में भले ही यह योजना विकास कार्य के रूप में दिखाई दे रही हो,लेकिन मौके पर स्थिति इसके उलट नजर आ रही है, कार्य की गुणवत्ता को लेकर असंतोष लगातार बढ़ रहा है और लोग खुलकर विरोध जता रहे हैं।

गुणवत्ता पर उठे तकनीकी सवाल

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि स्ट्रीट लाइट कार्य में कई स्तरों पर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है,उनके अनुसार उपयोग किए जा रहे उपकरण निम्न गुणवत्ता के प्रतीत हो रहे हैं, जबकि खंभों की मजबूती और फिटिंग कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा, वायरिंग और इंस्टॉलेशन का काम भी जल्दबाजी में किया जा रहा है, जिससे पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं।

हादसे की आशंका और संसाधनों की बर्बादी का डर

ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर पोल सही तरीके से स्थापित नहीं किए गए हैं, इससे भविष्य में दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है, इसके साथ ही यह भी आशंका जताई जा रही है कि कम गुणवत्ता की सामग्री के कारण स्ट्रीट लाइटें जल्द ही खराब हो सकती हैं, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग होगा।

ग्रामीणों की स्पष्ट मांग—पहले जांच,फिर भुगतान-ग्रामीणों ने एक स्वर में प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए,उनका कहना है कि गुणवत्ता की पुष्टि होने के बाद ही संबंधित ठेकेदार को भुगतान किया जाए,साथ ही यदि जांच में कोई अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

धार्मिक स्थल पर पारदर्शिता की अपेक्षा- ग्रामीणों का मानना है कि धार्मिक स्थलों पर होने वाले विकास कार्यों में विशेष पारदर्शिता और गुणवत्ता का ध्यान रखा जाना चाहिए, ऐसे स्थानों से जनता की आस्था जुड़ी होती है,इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही सीधे विश्वास को प्रभावित करती है।

प्रशासन की भूमिका पर टिकी नजरें

अब यह मामला प्रशासन की कार्यप्रणाली की परीक्षा बनता जा रहा है, देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और क्या निष्पक्ष जांच के जरिए सच्चाई सामने लाई जाती है, या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाता है।

एनएसयूआई द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर एनएसयूआई, सूरजपुर द्वारा ब्लॉक प्रतापपुर में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन एन एस यू आई जिला सचिव गोल्डी खान के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार तथा ब्लॉक अध्यक्ष रिजवान के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत कन्या आश्रम खोरमा एवं कन्या आश्रम प्रतापपुर छात्रावास में छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ मिलकर बाबा साहेब की जयंती बड़े उत्साह,श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस दौरान बाबा साहेब के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया तथा उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर एनएसयूआई जिला सचिव गोल्डी खान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और अपने अथक प्रयासों से समाज में समानता,न्याय और अधिकारों की स्थापना की। गोल्डी खान ने छात्राओं से कहा कि यदि जीवन में आगे बढ़ना है तो शिक्षा को प्राथमिकता देना बेहद आवश्यक है और बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आज के युवाओं और विशेष रूप से छात्राओं के लिए बाबा साहेब का जीवन एक प्रेरणा स्रोत है,जो यह सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करके सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने एवं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आने का आह्वान किया जिला सचिव गोल्डी खान ने संगठन के बारे में भी छात्राओं को जानकारी दी और संगठन के बारे में बताया कार्यक्रम के दौरान एनएसयूआई के जिला सचिव गोल्डी खान, ब्लॉक अध्यक्ष रिजवान व कार्यकर्ता द्वारा छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु कलम एवं कॉपी भेंट की गई। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना रहा। साथ ही छात्राओं के बीच शिक्षा,स्वाभिमान और आत्मविश्वास के महत्व पर भी विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि एन एस यू आई एक ऐसा छात्र संगठन है जो सदैव छात्रों के हितों के लिए तत्पर रहता है। संगठन शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, छात्रों की समस्याओं को उठाने और उनके समाधान के लिए निरंतर कार्य करता है। एनएसयूआई द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में सकारात्मक संदेश दिया जाता है।

गोल्डी खान के नेतृत्व की सराहना करते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे हमेशा अपने संगठन एवं छात्रों के हित में सक्रिय रहते हैं और हर परिस्थिति में छात्रों की आवाज को बुलंद करने का कार्य करते हैं। उनके नेतृत्व में संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और नई ऊर्जा के साथ कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं छात्राओं ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि वे बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलेंगे और शिक्षा,समानता एवं न्याय के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएंगे। इस आयोजन में एनएसयूआई के कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का समापन समाज में जागरूकता फैलाने और शिक्षा के महत्व को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ किया गया। इस तरह कार्यक्रम में मुख्य रूप से विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुन्नु सिंह धुर्वे,साहेबानी कुजुर प्रधान पाठक,उपासना यादव,प्रधान पाठक, अनिमा बखला अधिक्षिका,अर्चना सोभा मीन्ज,विनय तिवारी,नईम अंसारी,राजकुमार सिंह(संयुक्त शिक्षक संघ अध्यक्ष) एवं साथ ही साथ NSUI के राजा हसन,अयान अंसारी, संजय, चांदनी,निता एवं एनएसयूआई के अधिक संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझकर गुणवत्तापूर्ण त्रुटिरहित जनगणना सम्पन्न कराने किया प्रेरित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को जनगणना 2027 हेतु अम्बिकापुर में जारी जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण में विषय-वस्तु को गम्भीरता के साथ अच्छे से समझने प्रेरित किया। उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स को कहा कि कर्मियों को जनगणना कार्य से सम्बंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की स्पष्ट जानकारी दी जाए। उन्होंने प्रशिक्षण कर्मियों के उपस्थिति की जानकारी ली तथा कहा कि अनुपस्थित रहने वालों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि 1 से 30 मई तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी, जिसमें प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। गणना कार्य हेतु जल्द से जल्द जानकारी एकत्र कर पूरा करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि गम्भीरतापूर्वक दायित्वों का निर्वहन करें तथा त्रुटिरहित जनगणना कार्य संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, तहसीलदार अम्बिकापुर श्री उमेश बाज उपस्थित रहे।

रोशनी बांटने वालों के घर में ही अंधेरा : 560 परिवारों के सामने आजीविका का संकट, उग्र आंदोलन की तैयारी में कर्मचारी

क्रेडा के 560 'सौर योद्धा' सड़क पर: अंधेरे में भविष्य,क्या ठप हो जाएंगी छत्तीसगढ़ की सौर परियोजनाएं?

क्रेडा में बड़ी छंटनी: 560 तकनीशियन बाहर,छत्तीसगढ़ में ठप्प हो सकती है सौर पेयजल और सिंचाई व्यवस्था

राजन पाण्डेय

कोरिया/रायपुर 15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने को अपनी मेहनत से रोशन करने वाले 560 क्लस्टर तकनीशियनों के घरों में आज खुद अंधेरा छा गया है, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण द्वारा 1 अप्रैल 2026 से इन अनुभवी कर्मचारियों को अचानक सेवा से बाहर किए जाने के फैसले ने पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा दिया है।

12 साल की सेवा का मिला 'बेदखली' का इनाम-

प्रभावित तकनीशियनों का दर्द छलक उठा है। उनका कहना है कि पिछले 10 से 12 वर्षों तक उन्होंने उन दुर्गम इलाकों और वनांचलों में सौर ऊर्जा संयंत्रों और 'सौर सुजला योजना' को जीवित रखा, जहाँ पहुंचना भी बड़ी चुनौती थी, बिना किसी पूर्व सूचना के सेवा समाप्ति के इस फरमान ने 560 परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा कर दिया है।

करोड़ों की परियोजनाएं और ग्रामीण व्यवस्था दांव पर-

विशेषज्ञों और जानकारों की मानें तो इन तकनीशियनों की विदाई केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है,बल्कि यह राज्य की महत्वपूर्ण योजनाओं की 'बलि' देने जैसा है,जल जीवन मिशन में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति पूरी तरह चरमरा सकती है, सौर सुजला योजना किसानों की सिंचाई व्यवस्था पर सीधा प्रहार होगा, वनांचल की रोशनी सोलर हाई मस्ट और होम लाइट के रखरखाव के अभाव में गांव फिर से अंधेरे में डूब सकते हैं।

वेतन भी अटका, आर्थिक बदहाली की कगार पर कर्मचारी

दुःखद पहलू यह है कि सेवा समाप्ति के साथ-साथ इन कर्मचारियों का मार्च 2026 तक का वेतन भी विभाग ने 'फंड की कमी' का हवाला देकर रोक दिया है,सालों तक अपनी जिंदगी राज्य के विकास में खपाने वाले इन युवाओं के पास अब रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पैसे नहीं बचे हैं।

यह केवल सेवा समाप्ति नहीं,बल्कि गरीब और मेहनतकश युवाओं के पेट पर लात मारना है : गुलाब कमरो

कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने मामले पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि क्रेडा के ये 560 तकनीशियन छत्तीसगढ़ की ऊर्जा शक्ति की रीढ़ हैं,इन्होंने उस वक्त जंगलों और पहाड़ों पर जाकर सौर लाइटें जलाई जब वहां पहुंचना भी मुमकिन नहीं था,आज सरकार फंड का रोना रोकर उन्हें बाहर निकाल रही है,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है, एक तरफ सरकार बड़े-बड़े विज्ञापनों पर करोड़ों खर्च कर रही है और दूसरी तरफ इन युवाओं का मार्च तक का वेतन भी डकार गई है,मैं सरकार को चेतावनी देता हूँ कि इन तकनीशियनों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करें। अगर इनकी तत्काल बहाली नहीं हुई और बकाया वेतन नहीं मिला, तो हम सड़क से लेकर सदन तक की लड़ाई लड़ेंगे। हम इन परिवारों को बेसहारा नहीं होने देंगे। '

योजनाएं फेल करने की साजिश है अनुभवी तकनीशियनों की छंटनी: पारस राजवाड़े

पूर्व विधायक भटगांव पारस राजवाड़े ने कहा कि क्रेडा के माध्यम से संचालित सौर सुजला और जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं आज इन्हीं 560 क्लस्टर तकनीशियनों के भरोसे चल रही हैं। इन्हें सेवा से बाहर करना सीधे तौर पर प्रदेश के किसानों और ग्रामीणों के हितों पर हमला है, बिना तकनीशियनों के करोड़ों के सोलर पंप और लाइटें महज कुछ महीनों में कबाड़ बन जाएंगी, जिससे सरकारी राजस्व की भारी क्षति होगी, विभाग फंड की कमी का जो हवाला दे रहा है, वह सरासर गलत प्रबंधन का नतीजा है, सरकार को अपनी प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए। हमारी मांग है कि इन अनुभवी कर्मचारियों को अनुभव का लाभ देते हुए विभाग में समायोजित किया जाए और उनका रुका हुआ वेतन ससम्मान जारी किया जाए,हम इस अन्याय के खिलाफ चुप नहीं बैठेंगे, फंड की कमी का बहाना बनाकर 560 परिवारों के चूल्हे बुझाना शर्मनाक है, यदि सरकार ने जल्द ही इन्हें बहाल नहीं किया, तो हम जिला स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

कांग्रेस के पूर्व विधायको की मांगें...बकाया भुगतान

मार्च 2026 तक का रुका हुआ पूरा वेतन तत्काल जारी किया जाए, सेवा बहाली: अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर सभी 560 तकनीशियनों को तत्काल काम पर वापस लिया जाए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भव्य पदयात्रा...महिलाओं की ऐतिहासिक भागीदारी

-संवाददाता-
एमसीबी,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में आज 15 अप्रैल को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में एक भव्य एवं जनजागरूकता से भरपूर पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना एवं महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाना था। यह पदयात्रा साई मंदिर तिराहा मनेन्द्रगढ़ से प्रारंभ होकर राम मंदिर तक निकाली गई। पदयात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने नारी सम्मान एवं सशक्तिकरण से जुड़े संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। देश में महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू किया जा रहा है। इस अधिनियम के अंतर्गत लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं महिला प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करेगा तथा समाज में उनकी भूमिका को और अधिक मजबूत बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से परिवार, समाज और देश का समग्र विकास संभव है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। साथ ही बताया गया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भी महिलाओं के हित में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। विशेष रूप से महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उनकी आत्मनिर्भरता में निरंतर वृद्धि हो रही है। पदयात्रा में महिलाओं का उत्साह और भागीदारी विशेष रूप से देखने योग्य रही। उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए यह संदेश दिया कि आज की नारी आत्मनिर्भर,जागरूक और अपने अधिकारों के प्रति सजग है।

कार्यक्रम के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं,बल्कि एक सशक्त आंदोलन है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामनरेश राय (महापौर, चिरमिरी), श्रीमती यशवंती सिंह,उदित नारायण सिंह, रामजीत लकडा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह,श्रीमती जानकी बाई खुसरो, श्रीमती ज्योति गुप्ता,आशीष मजूमदार, आशीष सिंह,जमुना पांडे,श्रीमती सरोज यादव,जया कर,प्रवीण सिंह,कविता दीवान,रानी गुप्ता,मीनू पटेल,अर्चना विश्वकर्मा, अलका गांधी, रेणु सिंह, रमेश यादव,अंकित शर्मा,राहुल जायसवाल, मनोज केशरवानी, चंदा केशरवानी, मालती काशीपुरी सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधि,अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

सुशासन तिहार 2026 का ऐलान.... जन शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

मुख्यमंत्री का निर्देश-30 अप्रैल तक लंबित मामलों का निपटारा, 1 मई से लगेंगे जन समस्या निवारण शिविर

-संवाददाता-
कोरिया,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'सुशासन तिहार 2026' आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस अभियान के तहत लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण और जन समस्या निवारण शिविरों के आयोजन पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि 30 अप्रैल 2026 तक जिले में लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इसमें भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन,मनरेगा के लंबित मजदूरी भुगतान,हितग्राही योजनाओं के भुगतान,आय-जाति-निवास प्रमाण-पत्र,बिजली एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं तथा हैंडपंप सुधार जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए हैं। राज्य में 1 मई से 10 जून 2026 के बीच ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर 'जन समस्या निवारण शिविर' आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में 15-20 ग्राम पंचायतों के समूह पर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ वितरण किया जाएगा। साथ ही प्राप्त आवेदनों का एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अक्षय तृतीय पर बाल विवाह रोकने जिला प्रशासन सख्त

-संवाददाता-
कोरिया,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले को बाल विवाह मुक्त बनाए जाने हेतु कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशानुसार जिले में बाल विवाह रोकने हेतु जिला प्रशासन ने अभियान को गति दी है। सभी विभागों को अभियान की रणनीति के साथ विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। जिले में अक्षय तृतीय के मौके पर बड़ी तादाद में बाल विवाह होने की संभावना रहती हैं। हालांकि लगातार निगरानी और सतर्कता के बाद इसमें कमी आई है। जिले ने 19 अप्रैल को अक्षय तृतीय के मद्देनजर बाल विवाह की आशंकाओं के तहत विशेष सर्तकता बरतने के भी निर्देश दिए हैं। विभाग के निर्देशों के बाद विभागीय अमला फील्ड में निगरानी कर रहा है। बाल विवाह में कमी लाने हेतु विभाग द्वारा विद्यालय, महाविद्यालय, पंचायत, नगरी निकाय, धार्मिक स्थल स्तर पर जन जनगरूकता अभियान चलाया गया। समाज प्रमुखों को बाल विवाह न होने के लिए दिशा निर्देश दिए गये साथ ही समाज में बाल विवाह न हो इसके लिए सभी समाज प्रमुखों को अपने स्तर पर समाजिक बैठक लेकर बाल विवाह रोकने में अपनी भुमिका निभाने का आग्रह किया गया। बाल विवाह के खिलाफ व्यापक जन जागरण अभियान के तहत गांवों में मुनादी, दीवार लेखन, पाम्पलेट वितरण,रैली के माध्यम से समाज को जागरूक किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बाल विवाह मुक्त कोरिया अभियान के तहत विभाग द्वारा सभी संबंधित विभागों,पंचायत प्रतिनिधियों और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सहयोग की अपील की है। बाल विवाह की सूचना पर तत्काल बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी,नजदीकी थान प्रभारी,चाईल्ड हेल्प लाईन 1098, महिला हेल्प लाईन 181 या आपाकालीन सेवा 112 पर जानकारी देने का अनुरोध किया गया है।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा.छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर दिनॉक 9/4/2026

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-जमगंवा
तहसील - लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/विजय कुमार आ0 स्व0 बोधनराम निवासी ग्राम जमगंवा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (दादी) स्व0 फनी की मृत्यु दिनांक 15/06/2014 को हो जाने से (जन्म/मत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनाँक 23/4/2026 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 23/4/026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

(सील) **नायब तहसीलदार लखनपुर,जिला-सरगुजा**

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा.छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर दिनॉक 9/4/2026

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-नरकालों
तहसील - लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/रामसाय आ0 स्व0 लब्दुराम निवासी ग्राम नरकालो तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (पीता) स्व0 लब्दुराम की मृत्यु दिनांक 27/03/2009 को हो जाने से (जन्म/मत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनाँक 23/4/2026 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 23/4/026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

(सील) **नायब तहसीलदार लखनपुर,जिला-सरगुजा**

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा.छ0ग0

ईश्तहार

दिनांक 15/04/2026

प्रति
समस्त ग्रामवासी
ग्राम - प्रतापपुर
तहसील - लखनपुर

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बालसाय आ0स्व0सूनू निवासी प्रतापपुर द्वारा अपने पिता स्व.सुनू का दिनांक 21/06/2014 को मृत्यु हो जाने से जन्म/मृत्यु रजिस्टीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0जन्म/मृत्य रजि0नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतू आवेदन इस न्यायालय को प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 15/04/26 को सुनवाई की जानी है ।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदनपत्र पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी दिनांक 23/04/26 तक इस न्यायालय मे आपत्ति पेश कर सकता है। । नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा / आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा । आज दिनांक 09/04/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया ।

(सील) **नायब तहसीलदार लखनपुर,जिला-सरगुजा**

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर.छ0ग0

रा0प्र0क्र0/ब-121 वर्ष
ग्राम-....... प0ह0न0 ....

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजू राजवाड़े, आ0 स्व-रामसूरत जाति रजवार निवासी ग्राम कल्याणपुर .तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता रामसूरत का जन्म/मृत्यु दिनांक 09/01/1980 को ग्राम कल्याणपुर में हुई है अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कल्याणपुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 28/4/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

पेशी दिनांक - 28/4/26
जारी दिनांक -10/4/26

(सील) **कार्यपालिक दण्डाधिकारी लटोरी जिला-सूरजपुर**

कार्यालय कलेक्टर जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

/ / अधिसूचना //

बलरामपुर, दिनांक 16/03/2026

क्रमांक/1368/अ-82/2025-26 चूँकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है, कि नीचे दी गई अनुसूधी (1) में वर्णित भूमि रामचन्द्रपुर-धौली बालचौरा मार्ग पर कन्हर पुल एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य के अन्तर्गत ग्राम - धौली हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पूर्नवासन और पूनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् द्वारा अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा-19 के तहत् यह घोषित किया जाता है, कि अनूसूची में वर्णित भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

::अनुसूची ::

भूमि का वर्ण
1. जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज
2. तहसील - रामचन्द्रपुर
3.ग्राम / नगर - धौली
4.भूमि का क्षेत्रफल - 0.61 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्ट. में)
1	634	0.06
2	643	0.02
3	644	0.14
4	645	0.12
5	650/1	0.06
6	650/2	0.21
	योग-	0.61 हे0

2- भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामानुजगंज के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालयीन समय के दौरान देखा जा सकता है।
3- प्रस्तावित भूमि अर्जन से किसी भी प्रभावित हितबद्ध का विस्थापन निहित नहीं ।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदिशानुसार

(आनन्द राम नेताम)
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
एवं भू अर्जन अधिकारी रामानुजगंज

(राजेन्द्र कटारा)
कलेक्टर
एवं पदेन उप सचिव, छ0ग0 शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

जी नंबर-252700172/2

सिफारिश नहीं,संवेदनशीलता जीती...सोनहत के अंतिम छोर तक पहुँची स्वास्थ्य सेवा,2 माह के मासूम को मिला नया जीवन

आधी रात को रेस्क्यू और रायपुर में सफल इलाज : कोरिया स्वास्थ्य विभाग की त्वरित पहल ने पेश की मिसाल

गोयनी के 2 माह के बच्चे के लिए 'वरदान' बना प्रशासन

राजन पाण्डेय

सोनहत,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सोनहत जनपद के सुदूर वनांचल और राज्य की सीमा पर स्थित अंतिम छोर के ग्राम गोयनी में एक 2 माह के मासूम के लिए 'चिरायु योजना' और स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता नया जीवन लेकर आई, जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहे बच्चे अंश की हालत जब अत्यंत गंभीर हुई, तो जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की 'त्वरित कार्रवाई ने उसे मौत के मुँह से बाहर निकाल लिया।

आधी रात को चला रेस्क्यू ऑपरेशन

मामले की गंभीरता को देखते हुए सोनहत बीएमओ डॉक्टर बलवंत सिंह ने तत्काल इसकी सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया,डॉक्टर प्रशांत सिंह को दी,सूचना मिलते ही सीएमएचओ ने तत्परता दिखाते हुए बिना समय गंवाए देर रात ही एम्बुलेंस को दुर्गम क्षेत्र गोयनी के लिए रवाना करने के निर्देश दिए। जिसके बाद डॉ बलवंत सिंह के निर्देशन में पथरीले रास्तों और रात के अंधेरे को चीरते हुए एम्बुलेंस मासूम को लेने ग्राम आनंदपुर पँचायत पहुची और देर रात लगभग 2 से 3 बजे मरीज को लेकर सोनहत पहुँची, जहां डॉक्टर बलवंत सिंह ने प्राथमिक उपचार कर चिरायु टीम के डॉ अरविंद यादव की निगरानी में उसे बैकुंठपुर भेजा।

सीएमएचओ के निर्देश पर रायपुर में हुआ निःशुल्क सफल इलाज

प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को बैकुण्ठपुर भेजा गया, यहाँ सीएमएचओ डॉक्टर प्रशांत सिंह के विशेष मार्गदर्शन और संवेदनापूर्ण पहल के कारण बच्चे को तत्काल चिरायु स्टाफ की देखरेख में रायपुर के निजी बालाजी अस्पताल रेफर किया गया, अस्पताल में बच्चे का बेहतर ढंग से इलाज किया गया और चिरायु टीम लगातार फॉलोअप लेती रही।

स्वस्थ होकर घर लौटा मासूम

इलाज के बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ हुआ और 14 तारीख को उसे शासकीय वाहन से ससम्मान उसके गृह ग्राम गोयनी पहुँचाया गया, जब बच्चा मुस्कुराते हुए अपने माता-पिता की गोद में घर पहुँचा,तो परिजनों की आँखों में स्वास्थ्य विभाग के प्रति कृतज्ञता के आँसू थे।

क्षेत्र में हो रही है स्वास्थ्य विभाग की सराहना

कोरिया जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सीएमएचओ डॉक्टर प्रशांत सिंह की कार्यशैली और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की अब हर जगह प्रशंसा हो रही है,इस सफल जीवन रक्षा अभियान में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बलवंत सिंह,चिरायु के चिकित्सक डॉक्टर अरविंद यादव एवं समस्त चिरायु स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही।

समानता और संवेदनशीलता की नई मिसाल

आमतौर पर यह देखा जाता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ अक्सर रसूखदार या जागरूक शहरी वर्ग तक ही सीमित रह जाता है, जबकि सुदूर ग्रामीण अंचलों के जरूरतमंदों को सहायता के लिए लंबी जद्दोजहद करनी पड़ती है,लेकिन,गोयनी के इस मामले ने एक नई और सकारात्मक मिसाल पेश की है,चिरायु योजना के माध्यम से पहले भी कई बच्चों का उपचार हुआ है, परंतु वनांचल के अंतिम छोर पर रहने वाले एक निर्धन परिवार के लिए प्रशासन की ऐसी 'त्वरित सक्रियता' पहली बार देखी गई, बिना किसी सिफारिश या आर्थिक प्रभाव के, केवल मानवीय आधार पर आधी रात को चलाया गया यह रेस्क्यू ऑपरेशन यह साबित करता है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो स्वास्थ्य सेवाएँ वास्तव में कतार के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सकती हैं, यह पहल न केवल एक मासूम की जान बचाने वाली रही, बल्कि इसने व्यवस्था के प्रति आम जनमानस के विश्वास को भी पुनर्जीवित किया है।

इनका कहना है...

'वनांचल के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। मासूम की जान बचना हमारी पूरी टीम की सजगता का परिणाम है।'

– डॉ. प्रशांत सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,कोरिया

अंबिकापुर की डॉ. ज्योति साहू को राष्ट्रीय 'She-VET एक्सीलेंस अवार्ड 2026' सम्मान

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड की प्रभारी एवं अनुभवी पशु चिकित्सा सर्जन डॉ. ज्योति साहू (पीएचडी) को पशु चिकित्सा और पशुपालन विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान 'डॉ. शक्कुबाई रामचंद्रन She - VET एक्सीलेंस अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से पूरे प्रदेश,विशेषकर पशुधन विकास विभाग एवं छग साहू समाज में हर्ष और गर्व का माहौल है। डॉ. ज्योति साहू वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन के पशु चिकित्सा सेवाओं के अंतर्गत सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित उप संचालक कार्यालय से संबद्ध हैं और विकासखंड अंबिकापुर की प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। वे पिछले लगभग 11 वर्षों से राज्य शासन में पशु चिकित्सा सर्जन के रूप में कार्यरत हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पशुपालन क्षेत्र को सशक्त बनाने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

एनएसयूआई ने मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती,छात्राओं को किया प्रेरित

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर एनएसयूआई सूरजपुर द्वारा प्रतापपुर ब्लॉक में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला सचिव गोल्डी खान के मार्गदर्शन एवं ब्लॉक अध्यक्ष रिजवान के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कन्या आश्रम खोरमा व प्रतापपुर छात्रावास में छात्राओं के साथ जयंती मनाकर बाबा साहेब को नमन किया गया तथा उनके जीवन,संघर्ष और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कलम व कॉपी वितरित की गई। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके बताए मार्ग–शिक्षा,समानता व न्याय–को अपनाना जरूरी है।

पंचायत उप निर्वाचन और नगर पंचायत चुनाव की तैयारी तेज

सूरजपुर में मतदाता नामावली प्रकाशित,20 अप्रैल तक दावा-आपत्ति

मतदाता सूची तैयार, अब सुधार का मौका

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में पंचायत उप निर्वाचन और नगर पंचायत शिवनंदनपुर आम निर्वाचन 2026 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं, छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ग्राम पंचायतों और नगर पंचायत की मतदाता नामावली तैयार कर प्रकाशित कर दी गई है, अब नागरिकों को अपने नाम,संशोधन और आपत्तियों के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने का अवसर दिया गया है, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा के बाद प्राप्त दावे-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

47 ग्राम पंचायतों की मतदाता नामावली तैयार

पंचायत उप निर्वाचन के तहत सूरजपुर जिले की 6 जनपद पंचायतों की कुल 47 ग्राम पंचायतों की वार्डवार मतदाता नामावली तैयार कर ली गई है। यह नामावली 01 अप्रैल 2026 की स्थिति के आधार पर तैयार की गई है और आम नागरिकों के निःशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध है।

इनमें शामिल प्रमुख जनपद पंचायतें

- सूरजपुर - 15 ग्राम पंचायतें
- रामानुजनगर - 15 ग्राम पंचायतें
- प्रेमनगर - 1 ग्राम पंचायत
- ओड़गी - 4 ग्राम पंचायतें
- भैयाथान - 6 ग्राम पंचायतें
- प्रतापुर - 6 ग्राम पंचायतें इन पंचायतों के अंतर्गत आने वाले वार्डों की मतदाता सूची संबंधित ग्राम पंचायत भवनों में उपलब्ध कराई गई है।

दावे-आपति की प्रक्रिया

20 अप्रैल तक का समय- मतदाता नामावली में नाम जोड़ने, संशोधन या आपत्ति दर्ज कराने के लिए प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, आवेदन की अवधिः 13 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 (दोपहर 3 बजे तक), आवेदन स्थलः संबंधित ग्राम पंचायत भवन, आवेदन प्राधिकृत अधिकारी/कर्मचारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा इसके बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

नाम जोड़ने के लिए अतिरिक्त अवसर– मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने के लिए नागरिकों को अतिरिक्त समय भी दिया गया है।

आवेदन प्रारूप : फॉर्म क-1

- अंतिम तिथिः 24 अप्रैल 2026
- संबंधित पंजीयन अधिकारी के समक्ष आवेदन करना होगा

नगर पंचायत शिवनंदनपुरः 15 वार्डों की सूची प्रकाशित

नगर पंचायत शिवनंदनपुर आम निर्वाचन 2026 के तहत भी 01 अप्रैल 2026 की स्थिति में मतदाता नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है, नगर पंचायत के सभी 15 वार्डों के मतदान केंद्रों पर सूची उपलब्ध, नागरिकों से सूची का अवलोकन करने की अपील।

नगर क्षेत्र में भी 20 अप्रैल तक दावे-आपत्ति

नगर पंचायत क्षेत्र में भी मतदाता सूची सुधार की प्रक्रिया जारी है, नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की अंतिम तिथिः 20 अप्रैल 2026 (दोपहर 3 बजे तक) नए मतदाता के नाम जोड़ने की अंतिम तिथिः 24 अप्रैल 2026 निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नागरिकों से अपीलः सूची का अवलोकन करें...

उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन), जिला सूरजपुर ने नागरिकों से अपील की है कि अपने वार्ड की मतदाता सूची का सावधानीपूर्वक निरीक्षण करें, परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम सुनिश्चित करें, किसी भी त्रुटि को तुरंत सुधार के लिए आवेदन करें।

जागरूक मतदाता बनने का आह्वान

प्रशासन ने नागरिकों से यह भी आग्रह किया है कि स्वयं जागरूक मतदाता बनें, अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें, ताकि मतदाता सूची शुद्ध और त्रुटिरहित बन सके।

समय पर सुधार से ही मजबूत होगा लोकतंत्र– सूरजपुर जिले में पंचायत और नगर पंचायत चुनाव की प्रक्रिया अब निर्णायक चरण में पहुंच रही है, मतदाता सूची का सही और त्रुटिरहित होना निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है, ऐसे में नागरिकों की भागीदारी और जागरूकता ही इस प्रक्रिया को सफल बनाएगी, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही सभी दावे-आपत्ति दर्ज कराना आवश्यक है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ के युवाओं का परचम,अवनीश पाण्डेय और अंकित त्रिपाठी सम्मानित...शोध और नवाचार से बढ़ा प्रदेश का मान

-संवाददाता-

सूरजपुर/कोरिया,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर और कोरिया जिले के दो युवा शोधकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है,प्रयागराज के नैनी स्थित सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सूरजपुर के अवनीश पाण्डेय और कोरिया के अंकित कुमार त्रिपाठी को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए 'इनोवेटिव/नवोन्मेषी यंग रिसर्चर अवार्ड' से सम्मानित किया गया, दोनों को सम्मेलन के सफल आयोजन में योगदान के लिए 'सर्वश्रेष्ठ आयोजन सदस्य' के रूप में भी सम्मान मिला।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

10 एवं 11 अप्रैल 2026 को प्रयागराज के नैनी स्थित शुआट्स विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत 2047: नवाचार, डिजिटलीकरण एवं उद्यमिता' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं किसान मेला-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित संस्थानों से आए वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों ने भाग लिया और अपने शोध कार्य एवं नवाचार प्रस्तुत किए।

अवनीश पाण्डेय को मिला सम्मान

सूरजपुर जिले के परीं निवासी अवनीश पाण्डेय को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य और अकादमिक योगदान के लिए 'इनोवेटिव यंग रिसर्च अवार्ड' से सम्मानित किया गया, इसके साथ ही उन्हें सम्मेलन और किसान मेला-प्रदर्शनी के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ आयोजन सदस्य' के रूप में भी सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से सूरजपुर जिले का नाम गौरवान्वित हुआ है।

अंकित कुमार त्रिपाठी को दोहरा सम्मान

कोरिया जिले के सोनहत क्षेत्र के युवा शोधकर्ता अंकित कुमार त्रिपाठी को भी उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए 'नवोन्मेषी युवा शोधकर्ता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया, इसके अलावा आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ आयोजन सदस्य' के रूप में भी सम्मान मिला, उनकी इस उपलब्धि ने उनके क्षेत्र और जिले का मान बढ़ाया है।

प्रदेश के लिए गौरव का विषय

अवनीश पाण्डेय और अंकित कुमार त्रिपाठी की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार और क्षेत्र में खुशी है, बल्कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, उनकी सफलता अन्य युवाओं को भी शोध और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, यह उपलब्धि दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नवाचार और शोध के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति– कार्यक्रम में कोरांव विधायक राजमणि कोल और यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख के कुलपति डॉ. साकेत कुशवाहा विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों युवा शोधकर्ताओं को इन्हीं अतिथियों की उपस्थिति में सम्मान प्रदान किया गया।

युवा शोधकर्ताओं की भूमिका पर जोर– कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में नवाचार, डिजिटलीकरण और उद्यमिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, युवा शोधकर्ताओं के प्रयास ही भविष्य में देश को नई दिशा देंगे।

जनगणना 2027 की तैयारी पूरी जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार

मोबाइल ऐप से होगी जनगणना

-संवाददाता-

कोरिया,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। भारत की जनगणना 2027 को लेकर कोरिया जिला में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला कलेक्टर एवं प्रधान जनगणना अधिकारी श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए व्यापक तैयारी की है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिसमें मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा। जनगणना का प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण' 1 मई से 30 मई 2026 के बीच संपन्न किया जाएगा। इसके अलावा, नागरिकों को स्वगणना की सुविधा भी दी गई है। कोई भी परिवार का मुखिया 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच जनगणना पोर्टल/वेबसाइट के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकता है। स्वगणना के बाद प्राप्त कोड को प्रगणक को विजिट के दौरान बताना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान एकत्र की गई सभी जानकारी

पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इस डेटा का उपयोग केवल जनहित में नीतियों के निर्माण के लिए किया जाएगा, इसलिए नागरिकों से सही और पूर्ण जानकारी देने की अपील की गई है। जिले में सभी चार्ज अधिकारियों द्वारा हाउस लिस्टिंग ब्लॉक तैयार कर लिया गया है और प्रत्येक भवन की नंबरिंग भी पूरी कर ली गई है। फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण मार्च महीने में ही पूरा कर लिया गया है। अब 15 अप्रैल से प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन-तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। जनगणना का दूसरा चरण 'जनसंख्या गणना' फरवरी-मार्च 2027 में किया जाएगा।

सनी देओल की दहाड़ से खौफ खा गए कार्तिक आर्यन

आगे खिसका दी नागजिला की रिलीज डेट,हां,कार्तिक आर्यन की अपकमिंग मूवी नागजिला की रिलीज डेट में बदलाव कर दिया गया है और मूवी आगे बढ़ा दी गई है...

एक्टर कार्तिक आर्यन का नाम बीते दिनों से उनकी अपकमिंग मूवीज को लेकर चर्चा में बना हुआ है, जिसमें मोस्ट अवेटेड मूवी नागजिला का नाम भी शामिल है। सनी देओल स्टारर अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 के साथ कार्तिक की नागजिला का बॉक्स ऑफिस क्लैश होना था। लेकिन अब खबर आ रही है कि नागजिला की रिलीज डेट को मेकर्स ने बदल दिया है और मूवी आगे बढ़ दी गई है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कार्तिक आर्यन अब कौन से दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नागजिला की बदली रिलीज डेट

कार्तिक आर्यन की नागजिला का नाम समय से चर्चा का विषय बना हुआ है। कभी अपनी कास्ट तो कभी बदली हुई रिलीज डेट को लेकर नागजिला सुर्खियां बटोरती आ रही है। एक बार फिर से नागजिला की रिलीज डेट में फेरबदल किया

गया है। जिसकी आधिकारिक जानकारी फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर दी है। **तरण के मुताबिक-** अभिनेता कार्तिक आर्यन की बहुचर्चित फिल्म नागजिला की रिलीज डेट को बदल दिया गया है और अब ये क्रीचर कॉमेडी फिल्म अगले साल वैलेंटाइन डे के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। 12 फरवरी 2027 को नागजिला दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले कार्तिक की नागजिला 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में एंट्री मारने वाली थी। लेकिन माना जा रहा है कि सनी देओल और आमिर खान की बहुचर्चित फिल्म लाहौर 1947 के साथ नागजिला के मेकर्स किसी भी तरह की भिड़ंत नहीं चाहते है और बिना रिस्क के साथ अपनी फिल्म को थिएटर्स में पेश करना चाहते थे। इस आधार पर हो सकता है कि नागजिला की रिलीज डेट को बदल गया है।

सामने नहीं आया नागजिला की हीरोइन का नाम

रिलीज डेट के अलावा नागजिला लंबे समय से लीड एक्ट्रेस की तलाश को लेकर चर्चा में बना हुआ है। अब तक अभिनेत्री के नाम पर सस्पेंस बना हुआ है।

सैयारा के बाद एक और रोमांटिक फिल्म लेकर आ रहे मोहित सूरी,इस पॉपुलर जोड़ी को करेंगे कास्ट?

सैयारा की सफलता के बाद,मोहित सूरी की नई रोमांटिक फिल्म में फिर साथ आ रहे हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार,यश राज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी इसे प्रोड्यूस करेंगे।हान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर फिल्म सैयारा को देशभर के दर्शकों ने खूब प्यार दिया। यह 2025 की सबसे बड़ी रोमांटिक फिल्मों में से एक बन गई। इसने भारत में लगभग 338 करोड़ रुपये और दुनिया भर में लगभग 580 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया।वहीं अहान और अनीत की जोड़ी की बढ़ती लोकप्रियता ने उन्हें अहनीत का नाम किया। दोनों की केमिस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद किया और इसके बाद से ही दर्शक इन्हें दोबारा से बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे थे।

नई रोमांटिक फिल्म लेकर आ रहे मोहित सूरी

सैयारा के फैंस के लिए गुड न्यूज है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेता अहान पांडे और अनीत निर्देशक मोहित सूरी के साथ एक नए रोमांटिक ड्रामा में फिर साथ आ रहे हैं। इस फिल्म को अक्षय विधानी प्रोड्यूस करेंगे जोकि यश राज फिलम्स के सीईओ हैं। रिपोर्ट में कहा गया, मोहित ने अपनी नई फिल्म की कहानी लिख ली है, जिसकी कहानी एक बड़ी उम्र के लड़के और यंग लड़की की होगी। पहले वो किसी और अभिनेता को लेकर मूवी प्लान कर रहे थे लेकिन फिर उसके साथ बात बनी नहीं। आदित्य चोपड़ा ने सुझाव दिया कि वे अहान के साथ एक और रोमांटिक कॉमेडी बनाएं। चूंकि उनकी दूसरी फिल्म एक एक्शन फिल्म है जिसमें वे एक गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए निर्माता को लगा कि दोनों की रोमांटिक जोड़ी को दर्शक खूब पसंद करेंगे।

"पूकी डैडी"...सिद्धार्थ मल्होत्रा की बेटी ने किया उनका मेकअप

सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी बेटी सरायाह के पिता बनने का आनंद ले रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह बालों में बो क्लिप लगाए नजर आए। यह फोटो तुरंत वायरल हो गई। सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों फादरहुड एंजॉय कर रहे हैं। एक्टर पिछले साल 15 जुलाई को एक बेटी के पिता बने हैं। बेटी का नाम सरायाह मल्होत्रा है। सिद्धार्थ अपनी बेटी के कितने करीब हैं उनकी लेटेस्ट इंस्टाग्राम फोटो इसका सुबूत है।सिद्धार्थ ने हाल ही में एक फोटो शेयर की है जिसमें वो बालों में एक बो क्लिप लगाए नजर आ रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए सिद्धार्थ ने कैप्शन दिया-मुझे बताओ कि तुम एक बेटी के बाप हो बिना ये बताए कि तुम एक बेटी के बाप हो यह तस्वीर देखते ही देखते वायरल हो गई है और फैंस व सेलेब्रिटीज इस पर क्यूट रिएक्शन दे रहे हैं। जाह्नवी कपूर,भूमि पेडनेकर और अर्जुन कपूर जैसे अभिनेताओं ने भी इस पोस्ट पर रिएक्ट किया है।

फैंस ने किए क्यूट कमेंट्स

वहीं फैंस भी उनकी इस तस्वीर पर रिएक्ट कर रहे हैं। एक ने लिखा, पूकी मल्होत्रा,वहीं दूसरे ने लिखा,हम तो हमेशा से जानते थे कि आप एक अच्छे पिता बनेंगे... बस हो गया ना! एक ने टिप्पणी की, सबसे हैंडसम पापा। एक ने लिखा,स्टाइलिंग क्रेडिट- सरायाह मल्होत्रा। एक ने लिखा, क्या मैं सपना देख रही हूं? इससे पहले, मुंबई में वी द वुमन फेस्टिवल के दौरान, सिद्धार्थ ने बरखा दत्त के साथ मंच पर आकर अपने जीवन और बेटी सरायाह के बारे में बातचीत करते हुए पिता बनने के अनुभव को साझा किया था।

फादरहुड एंजॉय कर रहे हैं सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने बताया कि अपनी बेटी को सुबह मसाज करना अब उनकी दिनचर्या बन गई है। उन्होंने कहा,यह हमारी दिनचर्या का हिस्सा है, सुबह उठते ही अंगड़ाई लेना। जब से मैं बेटी का पिता बना हूं,जीवन में वाकई बहुत बदलाव आया है। वह इस समय अपने सबसे अच्छे दौर में है। मैंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति से इतनी बहस नहीं हारी जो बोल नहीं सकता। मुझे एहसास हुआ कि अब मैं घर का हीरो नहीं हूं;वह सुपरस्टार है।
सिद्धार्थ और कियारा ने साल 2023 में राजस्थान के जैसलमेर में शादी की थी।

न नवाजुद्दीन,न कमल हासन,इकलौता मेल एक्टर जिसे मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

साल 1996 में एक ऐसी फिल्म की चर्चा हुई,जिसकी कहानी समय से काफी आगे थी। फिल्म भले ही बड़े पर्दे पर रिलीज नहीं हो सकी लेकिन इसके लीड एक्टर को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया। दुनिया में ये इकलौता एक्टर है जिसके नाम ये खिताब दर्ज है।
भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई अभिनेत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब जीतकर देश का मान बढ़ाया है, लेकिन इन पुरस्कारों की सूची में एक ऐसा नाम भी शामिल है जो सबको हैरान कर देता है। यह सम्मान किसी महिला को नहीं, बल्कि एक पुरुष अभिनेता को मिला था,जिन्होंने एक किन्नर के किरदार को इतनी शिद्दत से निभाया कि दुनिया उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री मान बैठी। आज ये एक्टर भले ही इस दुनिया में नहीं हैं,लेकिन इनकी एक्टिंग का लोहा पूरी फिल्म इंडस्ट्री मानती है। खास तौर पर उनके इस किरदार की जमकर सराहना की जाती है।

एक अनोखा अंतरराष्ट्रीय सम्मान

भारतीय फिल्मों में कमल हासन (चाची 420), गोविंदा (आंटी नंबर 1) से लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अक्षय कुमार जैसे सितारों ने क्रॉस-ड्रेसर या ट्रांसजेंडर की भूमिकाएं निभाई हैं,लेकिन इनमें से कोई भी वह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाया जो दिवंगत अभिनेता निर्मल पांडे के नाम दर्ज है। 90 के दशक में औजार और गॉडमदर जैसी फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाने

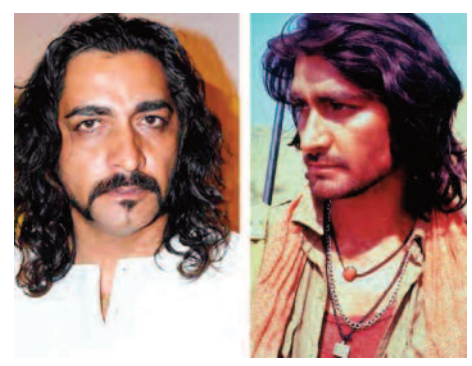

वाले निर्मल पांडे ने अपने करियर की शुरुआत में अमोल पालेकर की फिल्म दायरा (1996) में काम किया था। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसे ट्रांसजेंडर का किरदार निभाया जिसे एक यौन शोषण की शिकार महिला से प्रेम हो जाता है। 1997 में फ्रांस के वैलेंसिएन्स फिल्म फेस्टिवल में एक ऐतिहासिक पल आया,जब निर्मल पांडे को उनकी सह-कलाकार सोनाली कुलकर्णी के साथ संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। किसी भारतीय पुरुष अभिनेता द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने की यह पहली और इकलौती घटना थी,जिसे लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया।

भारत में क्यों नहीं रिलीज हो पाई दायरा?

हैरानी की बात यह है कि जिस फिल्म ने दुनिया भर में वाहवाही बटोरी,वह भारत के सिनेमाघरों तक कभी नहीं पहुंच सकी। अमोल पालेकर द्वारा निर्देशित दायरा अपनी बोल्ड थीम और महिलाओं के खिलाफ अपराधों जैसे संवेदनशील विषयों पर आधारित थी। सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कुछ संवादों और सीन्स को अश्लील बताते हुए उन्हें हटाने का निर्देश दिया था। काफी जद्दोजहद के बाद अगस्त 1996 में फिल्म को ए सर्टिफिकेट तो मिला, लेकिन वितरकों की कमी या कई और विवादों के कारण यह थिएटर में रिलीज नहीं हो पाई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी सराहना मिलने के कुछ साल बाद भारत में इसे सीधे डीवीडी पर जारी किया गया।

एक बहुमुखी अभिनेता का सफर

1962 में जन्मे निर्मल पांडे नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के छात्र थे। अभिनय की बारीकियां सीखने के बाद वह लंदन चले गए जहां उन्होंने थिएटर में काम किया। भारत लौटने पर उन्होंने 1994 में शेखर कपूर की प्रसिद्ध फिल्म बैंडिट क्वीन से डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने डकैत विक्रम मल्लाह की भूमिका निभाई थी। निर्मल पांडे अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते थे। जहां एक ओर उन्होंने प्यार किया तो डरना क्या और वन 2 का 4 जैसी फिल्मों में खूंखार विलेन के रोल किए,वहीं हद कर दी आपने जैसी फिल्मों में अपनी कॉमेडी से दर्शकों को गुदगुदाया भी।

खेल समाचार

केकेआर को जल्द से जल्द करने होंगे ये 3 बदलाव,नहीं तो टूट जाएगा प्लेऑफ का सपना

कोलकाता नाइटराइडर्स का प्रदर्शन अब तक इस सीजन में निराशाजनक रहा है...वो पांच में से एक भी मुकाबला नहीं जीत पाए हैं...हालांकि अगर केकेआक को प्लेऑफ में पहुंचना है तो उन्हें तीन बदलाव करने होंगे...

नई दिल्ली,15 अप्रैल 2026। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली कोलकाता नाइटराइडर्स का प्रदर्शन आईपीएल 2026 में अब तक काफी ज्यादा खराब रहा है। वह पांच में से एक भी मुकाबला नहीं जीत पाए हैं। केकेआर का सिर्फ एक पॉइंट है और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे हैं। एकमात्र पॉइंट भी उनको पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच धुलने की वजह से मिला था। हालांकि केकेआर को अगर अब भी प्लेऑफ में अपनी जगह बनानी है तो उन्हें प्लेइंग 11 में तीन बड़े बदलाव करने होंगे।

टिम सीफर्ट

कोलकाता नाइटराइडर्स के कीवी ओपनर फिन एलन अब तक पूरी तरह से फेल रहे हैं। ऐसे में एलन को बाहर कर केकेआर को एलन के जोड़ीदार टिम सीफर्ट को मौका देना चाहिए। सीफर्ट अपनी तूफानी बैटिंग के लिए जाने जाते हैं।

उमरान मलिक

अपनी रफ्तार के लिए मशहूर उमरान मलिक कोलकाता नाइटराइडर्स की प्लेइंग 11 में जगह नहीं बना पा रहे हैं। केकेआर को उनको वैभव अरोड़ा की जगह प्लेइंग 11 में मौका देना चाहिए। वैभव अरोड़ा काफी खराब फॉर्म में चल रहे हैं और महंगे साबित हो रहे हैं।

रचिन रविंद्र

न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र को भी केकेआर ने अब तक एक भी मौका नहीं दिया है। ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन जो केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदे थे, वो आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं। ऐसे में उनको बाहर कर कोलकाता रचिन रविंद्र को मौका दे सकती है। रचिन तीसरे नंबर पर बैटिंग कर सकते हैं और एक अच्छे स्पिनर भी हैं। वो गेंदबाजी में भी अच्छा योगदान दे सकते हैं।

अमी कामानी एशियन हेबॉल चैंपियनशिप के महिला सेमीफाइनल में पहुंचीं

मलेशिया,15 अप्रैल 2026। वर्ल्ड इंडिया की अमी कमानी मलेशिया के शाह आलम में एशियन हेबॉल चैंपियनशिप के महिला सेमीफाइनल में पहुंच गईं। इंदौर की क्यू प्लेयर ने क्वार्टर फाइनल में जापान की तमामी ओकुडा को 6-5 से हराया। पिछले साल वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली अमी अगले दिन आखिरी चार स्टेज के मुकाबले में थाईलैंड की वारथानुन सुकृतथानेस से भिड़ेंगी। इससे पहले, बाएं हाथ की अमी, जो लूज़र्स ब्रैकेट से आगे बढ़ीं, ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अब तक न हारने वाली कीर्तना पांडियन को 6-1 से हराया। पिछले साल की ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली अनुपमा रामचंद्रन क्वार्टर फाइनल में फिलिपिनो राखी कॉन्स्टेंटिनो से 4-6 से हार गईं। अनुपमा ने राउंड ऑफ 16 में साथी भारतीय नताशा चेतन को 6-4 से हराया था। पिछले एडिशन में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली इंडिया की विद्या पिल्लई और नीना प्रवीण फाइनल लूज़र्स क्वालिफिकेशन में हार गईं। पुरुषों के सेक्शन में,शिवम अरोड़ा और रणवीर दुग्गल प्रीक्वार्टर में ही बाहर हो गए। अरोड़ा मलेशिया के थोर चुआन लिओंग से 6-7 से हार गए, जबकि दुग्गल ईरान के सिना वलीज़ादेह से 5-6 (समय पर) से हार गए।

एटीएफ एशिया -14 चैंपियनशिप में पुनीत का शानदार प्रदर्शन 14 और उससे कम उम्र के विंबलडन के लिए क्वालिफ़ाई किया

चंडीगढ़,15 अप्रैल 2026। राउंडग्लास टेनिस अकादमी के खिलाड़ी पुनीत एम ने कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित ITF एशिया 14 × अंडर डेवलपमेंट चैंपियनशिप फ़ाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का समापन किया। एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार,इस युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने महाद्वीपीय मंच पर अपना दबदबा दिखाते हुए, पहले हफ़्ते में सिंगल्स चैंपियनशिप का ख़िताब जीता और सोमवार को दूसरे हफ़्ते में डबल्स में उपविजेता रहे। क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ़ अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, पुनीत ने आधिकारिक तौर पर 14 अंडर विंबलडन टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के अलावा, उन्होंने ढ्ढञ्जस्न एशियन 14 × अंडर

टूरिंग टीम में एक बेहद प्रतिष्ठित स्थान भी हासिल किया है,जो इस साल के अंत में पूरे यूरोप में प्रतिस्पर्धा करेगी।
पहले हफ़्ते के सिंगल्स फ़ाइनल के दौरान, दूसरी वरीयता प्राप्त पुनीत ने ज़बरदस्त प्रदर्शन करते हुए हांगकांग के हिम वोंग को हराकर ख़िताब अपने नाम किया; इस जीत की बदौलत भारत समग्र देश रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहा। वर्तमान में एआईटीए बॉयज़ अंडर-14 रैंकिंग में पुनीत अखिल भारतीय स्तर पर नंबर 1 स्थान पर काबिज़ हैं। चंडीगढ़ स्थित राउंडग्लास टेनिस अकादमी, भारत की शीर्ष और उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में लगातार अपनी पहचान बना रही है। पुनीत और हाल ही में जूनियर डेविस कप टीम में चुने गए रिभव सरोहा के अलावा, यह अकादमी वर्तमान सिंगल्स नंबर 1 सुमित नागल और डबल्स नंबर 1 यूकी भांबरी के प्रशिक्षण का भी मुख्य केंद्र है।भारत की पूर्व महिला सिंगल्स नंबर 1 करमन कौर थांडी, भारत के पूर्व जूनियर नंबर 1 हितेश चौहान और भारत के पूर्व जूनियर नंबर 4 अर्जुन राठी—ये सभी खिलाड़ी राउंडग्लास टेनिस अकादमी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

16 वर्षों में 34 पदक,हॉकी झारखंड महिला हॉकी के एक पावरहाउस के रूप में उभरा

नई दिल्ली,15 अप्रैल 2026। हॉकी झारखंड ने 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में गोल्ड मेडल जीतकर ग्रासरूट लेवल पर अपना दबदबा कायम रखा है। यह उसका लगातार तीसरा खिताब (2024, 2025, 2026) है और इससे देश के सबसे मज़बूत जूनियर सेटअप में से एक के तौर पर उसकी स्थिति और मज़बूत हुई है। झारखंड में हॉकी इंफ्रास्ट्रक्चर में काफ़ी विकास हुआ है, खासकर 2014 और 2026 के बीच एस्ट्रोटर्फ़ के निर्माण में। सिमडेगा में अब दो एस्ट्रोटर्फ़ हैं, जबकि खूंटी में भी दो हैं। एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार,रांची में कई सुविधाएँ हैं, जिनमें बरियातू, हटिया (रेलवे), AG कॉम्प्लेक्स और मोराबादी शामिल हैं, जहाँ एक मौजूदा टर्फ़ का नवीनीकरण करके उसे फिर से बिछाया गया है। इसके अलावा, हज़ारीबाग़ में स्न्रढ्ढ सेंटर में एक एस्ट्रोटर्फ़ है, जमशेदपुर में नवल टाटा हॉकी अकादमी में दो हैं, और गुमला में एक और अभी बन रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर में इस बढ़ोतरी ने पूरे राज्य में हॉकी प्रतिभाओं को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। पिछले 16 सालों में, झारखंड की व्यवस्थित युवा विकास प्रणाली का नतीजा हॉकी इंडिया

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सफलता के रूप में सामने आया है, खासकर महिलाओं की श्रेणियों में। राज्य ने अकेले महिलाओं की प्रतियोगिताओं में शानदार 34 मेडल जीते हैं, जिनमें 10 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज़ मेडल शामिल हैं; यह इसके ग्रासरूट कार्यक्रम की गहराई और निरंतरता को दिखाता है।
झारखंड की जूनियर महिला टीम ने 14 मेडल (5 गोल्ड, 5 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज़) जीते हैं, जबकि सब जूनियर महिला टीम ने 12 मेडल (4 गोल्ड, 5 सिल्वर,3 ब्रॉन्ज़) जीते हैं, जिसमें हाल ही में लगातार तीन बार मिली जीत भी शामिल है। एंट्री और डेवलपमेंट लेवल पर इस लगातार सफलता ने खिलाड़ियों के रैंक में मज़बूत और निरंतर प्रगति सुनिश्चित की है। सीनियर लेवल पर भी झारखंड ने अपनी छाप छोड़ी है,सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 8 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर, 6 ब्रॉन्ज़) जीते हैं, जिसमें 2025 में मिली उसकी सबसे ताज़ा खिताबी जीत भी शामिल है,यह ग्रासरूट से सीनियर लेवल तक प्रतिभा के निरंतर आगे बढ़ने को दिखाता है। झारखंड का सिमडेगा ज़िला,खासकर,पिछले कुछ सालों में भारतीय महिला हॉकी की नर्सरी बन गया है। हॉकी इंडिया महिला सब-जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 में सिमडेगा, झारखंड की तरफ से ज़बरदस्त भागीदारी देखने को मिली। जीतने वाली झारखंड टीम में संदीपा कुमारी,पुष्पा मांझी, प्रीति बिलुंग,रेजिना कुल्लू,सानिया तिर्की और निपुणता कुल्लू जैसी खिलाड़ी शामिल थीं,जो ज़िला की ज़मीनी स्तर पर हॉकी में बेहतरीन योगदान की परंपरा को आगे बढ़ाती हैं।

CMYK

नकली दवा कांड में बड़ा खुलासा...जिन पर शक, उन्हीं के हाथ में जांच!

चार महीने बाद गिरफ्तारी,लेकिन सवाल बरकरार-क्या जांच निष्पक्ष होगी?

नकली दवाओं से ज्यादा 'जांच सिस्टम' पर संकट,विभागीय गुटबाजी आई सामने....

- कार्रवाई करने वाला निलंबित,संदिग्धों को जांच की कमान-सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल
- नकली दवा नेटवर्कः इंदौर से छत्तीसगढ़ तक फैला खेल,अब जांच पर ही संदेह
- 'राजा-वजीर' मॉडल में फंसी जांच! विभागीय खेमेबाजी ने बढ़ाया विवाद
- स्टोर खाली, ताले बंद और जांच शुरू-क्या पहले ही लीक हो गई थी जानकारी?
- देर से हुई गिरफ्तारी पर उठे सवाल-क्या दबाव में आया प्रशासन?
- जिस पर लापरवाही की कार्रवाई,वही बना जांच अधिकारी-प्रक्रिया या संरक्षण?
- नकली दवा कांड : खुलासे से गिरफ्तारी तक,अब निष्पक्षता की परीक्षा में सिस्टम

नकली दवा कांड में जांच के केंद्र में आए औषधि निरीक्षक... ईश्वरी नारायण सिंह और नीरज साहू

-संवाददाता-
रायपुर,15 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के चर्चित नकली दवा कांड ने अब एक ऐसा मोड़ ले लिया है,जहां मामला केवल नकली दवाओं की सप्लाई,गिरफ्तारी और नेटवर्क तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि पूरी जांच प्रक्रिया की विश्वसनीयता ही कटघरे में खड़ी नजर आ रही है,चार महीने की लंबी देरी के बाद हुई गिरफ्तारी ने भले ही कार्रवाई का एक औपचारिक चरण पूरा किया हो,लेकिन इसके साथ ही जो नई परत सामने आई है,वह कहीं अधिक गंभीर है-इस पूरे मामले की जांच और विवेचना की जिम्मेदारी ऐसे अधिकारी को सौंप दी गई है, जिनकी भूमिका खुद संदेह के घेरे में बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार,खाद्य एवं औषधि प्रशासन के भीतर कथित गुटबाजी और आंतरिक शक्ति संतुलन इस पूरे घटनाक्रम को प्रभावित कर रहा है, विभाग के भीतर 'राजा और वजीर'जैसे समीकरणों की चर्चा ने इस मामले को और अधिक पेचीदा बना दिया है, जहां आरोप है कि कुछ अधिकारी एक संगठित तरीके से जांच की दिशा को नियंत्रित कर रहे हैं, इस संदर्भ में बेनीराम साहू का नाम केंद्र में बताया जा रहा है,जबकि नीरज साहू और ईश्वरी नारायण सिंह को उनके करीबी सहयोगी के रूप में देखा जा रहा है,सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि जिस अधिकारी ईश्वरी नारायण सिंह पर 11 फरवरी 2026 को लापरवाही के आरोप में विभागीय कार्रवाई की गई,वेतन वृद्धि रोकी गई,उसी अधिकारी को अब इस पूरे नकली दवा कांड का विवेचना अधिकारी बना दिया गया है,यह निर्णय अपने आप में कई सवाल खड़े करता है,क्या यह महज प्रशासनिक प्रक्रिया है या फिर इसके पीछे कोई और समीकरण काम कर रहा है? सूत्रों के मुताबिक,नकली दवा जैसा बड़ा नेटवर्क बिना संरक्षण के संभव नहीं होता,और इसी संदर्भ में जांच की दिशा को लेकर संदेह और गहराता जा रहा है,यह भी आरोप सामने आ रहे हैं कि जब ईश्वरी नारायण सिंह को प्रेम प्रकाश एजेंसी में जांच के लिए भेजा गया,तब उनके पहुंचने से पहले ही स्टोर खाली हो चुका था, दुकान पर ताले लग चुके थे और दवाओं का स्टॉक गायब हो चुका था,ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या जांच की जानकारी पहले से लीक हुई थी? इस पूरे घटनाक्रम में एक और विवादास्पद पहलू सामने आया निरीक्षण के दौरान नीरज साहू को,जो उस समय छुट्टी पर थे,जांच में शामिल किया जाना, यह निर्णय प्रक्रियात्मक रूप से कितना उचित था,यह भी अब जांच का विषय बनता जा रहा है,इसी बीच,यह तथ्य भी चर्चा में है कि जिस अधिकारी ने 10 दिसंबर 2025 को पहली कार्रवाई कर इस पूरे नेटवर्क का खुलासा किया, उसे बाद में आरोपी से मुलाकात के आधार पर निलंबित कर दिया गया,इस पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह सामान्य प्रक्रिया थी या कार्रवाई करने वाले अधिकारी को किनारे करने की कोशिश? अब जब गिरफ्तारी हो चुकी है, तो असली सवाल गिरफ्तारी से आगे जाकर यह है-क्या जांच निष्पक्ष होगी,या फिर यह पूरा मामला धीरे-धीरे उसी सिस्टम के भीतर समा जाएगा, जिस पर आज सवाल खड़े हो रहे हैं?

जिम्मेदारियों का पहाड़ या शक्ति का केंद्रीकरण?

बेनी राम साहू, सहायक औषधि नियंत्रक, एक ऐसे अधिकारी के रूप में चर्चित हैं जिनके पास जिम्मेदारियों की सूची इतनी लंबी है कि पढ़ते-पढ़ते ही थकान हो जाए,स्थापना, स्टोर, स्टेट लाइसेंस अथॉरिटी (होम्योपैथी मैन्युफैक्चरिंग), ब्लड बैंक कंट्रोलिंग अथॉरिटी, एनडीपीएस ड्रग्स,अस्पताल निरीक्षण,बलौदाबाजार लाइसेंस अथॉरिटी-और अंततः रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी का बहुप्रतीक्षित प्रभार, प्रश्न यह है की क्या विभाग में अधिकारियों की ऐसी भारी कमी है कि एक ही अधिकारी 'सुपर कंट्रोलर' बन जाए? या फिर यह कुर्सियों के केंद्रीकरण की वह रणनीति है जिसमें सारी चाबियां एक ही जेब में रखी जाती हैं?

राजनीतिक पृष्ठभूमि: क्या प्रभाव पड़ा?

बेनी राम साहू की राजनीतिक पृष्ठभूमि-भाजपा के पूर्व विधायक परिवार से संबंध-भी चर्चा का विषय बनी हुई है,हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है,लेकिन विभागीय गलियारों में यह सवाल उठ रहा है कि क्या निर्णयों पर राजनीतिक प्रभाव था? पर विभाग के गलियारों में यह चर्चा जोर पकड़ चुकी है कि 'कुर्सी की जंग' में नियमों को मोहरा बनाया गया।

नकली दवा कांड में चार महीने बाद गिरफ्तारी
मीडिया दबाव में टूटी सिस्टम की चुप्पी....
खुलासे से गिरफ्तारी तक 'घटती-घटना' की खबरों ने हिलाया नकली दवा नेटवर्क

जांच अधिकारी पर ही सवाल

सबसे बड़ा विरोधाभास यह सामने आता है कि ईश्वरी नारायण सिंह जिन पर पहले लापरवाही के आरोप में कार्रवाई हो चुकी थी और वेतन वृद्धि रोकी गई थी,उन्हें ही इस मामले का विवेचना अधिकारी बनाया गया, यह निर्णय जांच की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

जब स्वास्थ्य विभाग बना 'शतरंज का बोर्ड'

खाद्य एवं औषधि प्रशासन में सामने आया यह मामला अब सिर्फ नकली दवाइयों तक सीमित नहीं रह गया है, यह एक ऐसे जटिल तंत्र की परतें खोलता है,जहां कार्रवाई,पदस्थापन, गुटबाजी और प्रशासनिक निर्णय एक-दूसरे से टकराते हुए दिखाई देते हैं, विभाग के भीतर हालात ऐसे बताए जा रहे हैं कि यहां दवाइयों से ज्यादा 'अधिकारियों की चालें' चर्चा में हैं, सवाल यह उठता है कि क्या यह मामला वास्तव में जनस्वास्थ्य की रक्षा का है या फिर सत्ता संतुलन और प्रभाव विस्तार का?

प्रमुख पात्र और उनकी स्थिति

- संजय कुमार नेताम-निलंबित
- दीपक कुमार अग्रवाल-नियंत्रक
- नीरज साहू-वेतन रोका
- बेनी राम साहू-रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी
- ईश्वरी नारायण सिंह-वेतन रोका
- अमित राठौर, विजय राठौर-निलंबित
- अन्य : राजेश सोनी, सुरेश कुमार साहू, टेकचंद धीरहे

कुर्सी का समीकरण

और ठीक इसी दौरान-रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी का प्रभार बदल जाता है, बेनी राम साहू को वह कुर्सी मिल जाती है जिसके लिए वे लंबे समय से प्रयासरत बताए जाते थे,तो क्या यह सब घटनाएं महज संयोग थीं? या फिर यह वही चक्रव्यूह था जिसमें अभिमन्यु की तरह नेताम फंस गए?

ये है पूरा घटना क्रम

10 दिसंबर 2025: कार्रवाई जिसने पूरे तंत्र को झकझोर दिया

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत उस दिन हुई जब सहायक औषधि नियंत्रक संजय कुमार नेताम ने रायपुर में गोल्डन ट्रांसपोर्ट के गोदाम से नकली दवाइयों की बड़ी खेप बरामद की, जांच में सामने आया कि यह खेप इंदौर स्थित 'मां बिजासन ट्रेडिंग' से भेजी गई थी और इसका गंतव्य भाटापारा की प्रेम प्रकाश एजेंसी तथा सारंगढ़ की सरस्वती मेडिकोज थी, डिब्बों पर स्पष्ट रूप से 'सरस्वती मेडिकोज' अंकित था, जिससे यह मामला केवल आपूर्ति की अनियमितता नहीं बल्कि संगठित नेटवर्क की ओर संकेत करता था,यह कार्रवाई सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य से जुड़ा मामला थी, क्योंकि नकली दवाइयां मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ के समान होती हैं।

15 दिसंबर से 15 जनवरी तक, निरीक्षण से बाहर...फिर छुट्टी में 'अंदर'... दोस्ती की ऐसी डोज कि नियम भी हो गए बेअसर

15 दिसंबर 2025 को प्रेम प्रकाश एजेंसी, भाटापारा के निरीक्षण में ईश्वरी नारायण सिंह, नीरज साहू और राजेश सोनी शामिल थे, सैंपल लिए गए, लेकिन कार्रवाई असरदार नहीं रही, इसके बाद नीरज साहू की भूमिका पर संदेह गहराया, 15 जनवरी 2026 को दोबारा निरीक्षण के लिए नई टीम बनी, इस बार नीरज साहू को निरीक्षण दल से हटा दिया गया, कागजों में वे बाहर थे और 15-16 जनवरी को वे पारिवारिक कार्यक्रम के लिए अवकाश पर भी थे, लेकिन तस्वीरों में वे फिर निरीक्षण स्थल पर दिखे ईश्वरी नारायण सिंह के साथ, बताया गया कि'सहयोग'के नाम पर उन्हें जोड़ा गया, अब सवाल सीधा था की जिस अधिकारी पर संदेह था, जिसे टीम से हटाया गया,जो छुट्टी पर था तो फिर वह जांच स्थल पर कैसे पहुंच गया? और संयोग देखिए की जिस दिन टीम पहुंची,दुकान पहले से खाली मिली,क्या यह सिर्फ दोस्ती थी? या फिर नियमों को दरकिनार कर कोई'सेटिंग' की पटकथा लिखी जा रही थी? नकली दवा जैसे गंभीर मामले में यदि निरीक्षण दल की संरचना ही सवालों में हो, तो कार्रवाई की विश्वस नीयता खुद-ब-खुद कठघरे में खड़ी हो जाती है,निरीक्षण दल में छुट्टी के दिन एक अधिकारी को बुलाया गया,आलोचना या फिरी प्रक्रियात्मक त्रुटि थी,पर यहां भी कार्रवाई आधी-अधूरी रही,वेतन रोका गया, पर कठोर दंड नहीं,कहा जा रहा है कि'ईश्वरी शक्ति' कुछ लोगों को बचा रही थी और इस शक्ति का नाम फुसफुसाहटों में बेनी राम साहू बताया जा रहा है।

16 दिसंबर 2025 पहली टीम,पहला संदेह

प्रेम प्रकाश एजेंसी और सारंगढ़ की जांच के लिए टीम गठित की गई, जिसमें शामिल थे ईश्वरी नारायण सिंह,औषधि निरीक्षक, नीरज साहू, औषधि निरीक्षक,राजेश सोनी,नमूना सहायक साथ में रायगढ़ के औषधि निरीक्षक अमित राठौर और विजय राठौर,सारंगढ़ में टीम गठित हुई,जांच में लगभग 2.25 लाख रुपये की दवाइयां जब्त हुई, पर वे वही दवाइयां नहीं थीं जो ट्रांसपोर्ट में मिली थीं, विभाग असंतुष्ट रहा, यहीं से कहानी में 'गड़बड़ी की गंध' आने लगी।

20 दिसंबर 2025 दूसरी रेड, 27 लाख की जब्ती

ऊपर से आदेश आया, नई टीम भेजी गई, इस बार 27 लाख रुपये की दवाइयां जब्त हुई,मामला गंभीर हो चुका था, 23 दिसंबर को स्पष्टीकरण मांगा गया,पर यहीं पर प्रशासनिक 'न्याय' की परिभाषा बदलती दिखी-कुछ अधिकारियों का वेतन रोका गया,कुछ को निलंबित कर दिया गया, सवाल यह कि एक ही प्रकरण में दंड अलग-अलग क्यों? क्या गलती का वजन अलग-अलग तराजू में तोला गया?

भाटापारा : निरीक्षण से पहले खाली दुकान

15 जनवरी 2026 को प्रेम प्रकाश एजेंसी की जांच होनी थी, टीम पहुंची-दुकान खाली मिली ना दवा, ना स्टॉक, क्या यह महज संयोग था? या फिर सूचना पहले ही लीक हो चुकी थी? यदि निरीक्षण से पहले दुकान खाली हो जाती है तो यह विभागीय विफलता नहीं,बल्कि आंतरिक सांठगांठ की ओर इशारा करता है, सवाल यह है कि सूचना किसने पहुंचाई? और क्यों?

28 जनवरी 2026 वीडियो और सीधा निलंबन

अब आते हैं कहानी के चरम पर, 28 जनवरी को वही अधिकारी संजय कुमार नेताम जो ट्रांसपोर्ट से नकली दवा पकड़ चुके थे,सारंगढ़ में 27 लाख की जब्ती कर चुके थे, एक सार्वजनिक स्थान पर संबंधित व्यक्ति से बातचीत करते दिखे, वीडियो वायरल हुआ,बिना लंबा स्पष्टीकरण के सीधा निलंबन की कार्यवाही और प्रश्नों की झड़ी लग गई क्या कारण बताओ नोटिस दिया गया? क्या प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत लागू हुआ? क्या वीडियो में स्पष्ट अपराध दिखा? यदि बातचीत सार्वजनिक स्थल पर थी, मीडिया मौजूद थी, तो इसे गुप्त साठगांठ कैसे मान लिया गया?

चक्रव्यूह से बाहर कौन निकलेगा? पूरे घटनाक्रम ने कई अनुत्तरित प्रश्न छोड़ दिए हैं...

- निरीक्षण से पहले प्रेम प्रकाश एजेंसी खाली कैसे हुई?
- नीरज साहू अवकाश में रहते हुए निरीक्षण में कैसे शामिल हुए?
- अलग-अलग अधिकारियों पर अलग-अलग दंड का आधार क्या था?
- क्या संजय कुमार नेताम को प्राकृतिक न्याय के तहत पूरा अवसर दिया गया?
- प्रभार परिवर्तन का समय क्या महज प्रशासनिक संयोग था?
- सूचना लीक की जांच क्यों नहीं?
- अलग-अलग दंड का आधार क्या?
- निलंबन से पहले विस्तृत सुनवाई क्यों नहीं?
- प्रभार परिवर्तन का समय इतना सटीक कैसे?

नकली दवा से ज्यादा 'कंट्रोल' की चिंता?

पूरे घटनाक्रम में एक बात साफ दिखती है की नकली दवा बेचने वालों पर कार्रवाई से ज्यादा ऊर्जा विभागीय खींचतान में खर्च होती दिखी,दुकान खाली कैसे हुई? सूचना किसने दी? चेन में और कौन शामिल है? इन सवालों से ज्यादा जोर वीडियो और निलंबन पर रहा।

असली दोषी कौन?

यह पूरा मामला अब केवल नकली दवा का नहीं रहा, यह एक ऐसा आईना बन चुका है जिसमें विभागीय व्यवस्था, प्रशासनिक निर्णय और संभावित गुटबाजी सब एक साथ दिखाई देते हैं,जब कार्रवाई करने वाला अधिकारी ही संदेह के घेरे में आ जाए,जब जांच से पहले सबूत गायब हो जाएं और जब कुर्सी के समीकरण घटनाओं के साथ बदलें तो सवाल उठना स्वाभाविक है असली दोषी कौन है? दवा माफिया, विभागीय तंत्र,या फिर वह अदृश्य शक्ति जो फैसलों की दिशा तय करती है? जब तक इन सवालों के स्पष्ट और पारदर्शी उत्तर सामने नहीं आते,यह मामला सिर्फ एक जांच नहीं बल्कि प्रणाली की विश्वसनीयता पर एक गंभीर आरोपपत्र बना रहेगा।

अनुत्तरित सवाल : जांच की असली परीक्षा

- निरीक्षण से पहले स्टोर खाली कैसे हुआ?
- अवकाश पर अधिकारी जांच में कैसे शामिल हुआ?
- अलग-अलग दंड का आधार क्या था?
- क्या संजय कुमार नेताम को उचित सुनवाई मिली?
- प्रभार परिवर्तन का समय इतना सटीक क्यों था?
- सूचना लीक की जांच क्यों नहीं हुई?

बिलासपुर प्रेस क्लब चुनाव विवाद : हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

-संवाददाता-
बिलासपुर,15 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने बिलासपुर प्रेस क्लब के चुनाव रद्द करने के मामले में महत्वपूर्ण सुनवाई करते हुए राज्य शासन,पंजीयक, सहायक पंजीयक व अन्य पक्षकारों से जवाब मांगा है। सभी को दो सप्ताह के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार,19 सितंबर 2025 को प्रेस क्लब का चुनाव संपन्न हुआ था, जिसमें दिलीप यादव सहित अन्य पदाधिकारी निर्वाचित हुए थे। चुनाव परिणाम को चुनौती देते हुए पराजित उम्मीदवारों ने शिकायत दर्ज कराई, जिस पर सहायक पंजीयक ने बिना विस्तृत जांच के चुनाव रद्द करने की अनुशंसा कर दी। इसके आधार पर रजिस्ट्रार ने 18 नवंबर 2025 को चुनाव निरस्त कर नए चुनाव कराने का आदेश जारी किया। मामले में अपील के दौरान यह तथ्य सामने आया कि चुनाव रद्द करने की अनुशंसा कानून के अनुरूप नहीं थी। साथ ही जिस धारा का उपयोग किया गया,वह निजी संस्थाओं पर लागू नहीं होती। यह भी पाया गया कि निर्णय लेने से पहले संबंधित पक्षों को सुनने का अवसर नहीं दिया गया,जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है। इसके बाद दिलीप यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रजिस्ट्रार व अपीलीय अधिकारी के आदेश को चुनौती दी। मामले की सुनवाई जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी की अदालत में हुई, जहां कोर्ट ने सभी प्रतिवादियों को दो सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि प्रेस क्लब का चुनाव रद्द करने का निर्णय वैध था या नहीं।

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला : छत्तीसगढ़ में यूनिफॉर्म सिविल कोड ड्राफ्ट के लिए बनेगी समिति

महिलाओं को जमीन रजिस्ट्री में 50 प्रतिशत छूट,सैनिकों को भी राहत समेत लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसले

-संवाददाता-
रायपुर,15 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इसका प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति गठित करने का फैसला किया। समिति नागरिकों, संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव लेकर ड्राफ्ट तैयार करेगी।

कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

1. मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के संबंध में यूनिफॉर्म सिविल कोड का प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया तथा समिति के सदस्यों के मनोनयन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो राज्य के नागरिकों, संगठनों एवं विशेषज्ञों से व्यापक सुझाव लेकर यूनिफॉर्म सिविल कोड का प्रारूप तैयार करेगी। यह समिति वेब पोर्टल के माध्यम से फीडबैक भी आमंत्रित कर सकती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार प्रारूप को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मंत्रिपरिषद से अनुमोदन के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे राज्य में एक समान और पारदर्शी नागरिक कानून व्यवस्था स्थापित हो सके।
2. महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति अर्जन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस निर्णय से सरकार को लगभग 153 करोड़ रुपये राजस्व की कमी होगी, लेकिन महिला सशक्तीकरण के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम माना गया है।
3. राज्य के सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत उन्हें जीवनकाल में एक बार छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर 25 लाख रूपए तक की संपत्ति (भूमि/भवन) क्रय करने पर देय स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किया जाएगा। देश सेवा में समर्पित सैनिकों का जीवन प्रायः स्थानांतरण और अस्थायित्व से भरा होता है, जिसके बाद वे स्थायी निवास के लिए संपत्ति क्रय करते हैं, ऐसे में यह निर्णय उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करेगा।
4. छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इस संशोधन से सेवा क्षेत्र को आबंटन हेतु स्पष्ट वैधानिक पात्रता मिलेगी। भूमि आवंटन प्रावधानों में न्यूनतम एवं अधिकतम सीमा का तार्किक सामंजस्य स्थापित होगा। लैंड बैंक भूखण्डों हेतु एप्रोच रोड का वैधानिक प्रावधान किया गया है।
5. छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 में संशोधन का अनुमोदन किया गया। अब केन्द्र अथवा राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रम जैसे छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को रेत खदानें आरक्षित की जा सकेगी। इससे पट्टेदार के एकाधिकार के फलस्वरूप उत्पन्न रेत की आपूर्ति-संकट में कमी आएगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)